



GODAVERI

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 29, 1977 (कातिक 7, 1899)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29, 1977 (KARTIKA 7, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 सितम्बर 1977

सं० पी०-1776/प्रशा० II—संगणन विभाग एकक, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता के भूतपूर्व लैक्विलर श्री के० एस० नायक, जिन्हे इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-76, 9-6-76 और 23-2-77 द्वारा 2-3-76 से 31-8-77 तक संघ लोक सेवा आयोग के कालिय में पहले प्रोप्रेसर (अब वरिष्ठ प्रोप्रेसर के रूप में पुनः पदनामित) के पद पर नियुक्त किया गया था, को 1-9-77 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त पद पर कार्य करने रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्र० ना० मुख्यर्जी
प्रवर सचिव (प्रशा०)
कृते प्रध्यक्ष

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० पा० 32011/1/77-प्रशा० III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1) दिनांक 5-8-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचि-

वालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री एम० एम० सगमेस्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-10-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III—इस कार्यालय की अधिसूचना मं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1) दिनांक 17-9-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 11-10-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

म० 32011/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 12-10-1977 से 11-11-1977 तक की अवधि के लिए, प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए० 32011/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के स्थायी महायक श्री बी० आर० बमरा को, राष्ट्रपति द्वारा 5-10-77 से 19-11-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुख्यर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं. पी० एफ०/पी०/2-जी०—पेशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री एस० डी० पुन्हानी, स्थायी अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, जो भारत पर्यटन विकास निगम लि० में प्रतिनियुक्ति पर गए हुए थे, 30 सितम्बर, 1977 अपराह्न को सेवा-निवृत्त हो गए।

श्री निवास
अवर सचिव

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं. ए-19019/1/77-प्रशा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जे० एस० बाबा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1951) को दिनांक 27-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो गांव पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं. प्रार०-11/72-प्रशासन 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एक्ट-द्वारा, श्री आर० श्रीतिवासन, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 22 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं. ए० 19021/3/77-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश सर्वर्ग के, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, श्री त्रिनाथ मिश्रा को 24 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

भूदेव पाल
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

महा.निदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं. ओ० II-1001/72-स्थापना—श्री श्रीधरन नायर उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रुप मेटर (पल्लीपुरम), के० रि० पू० दल, 87 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश दिनांक 6-5-77 से 31-7-77 के समाप्त होने पर दिनांक 31-7-77 (अपराह्न) से इस दल से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

2. इस महानिदेशालय के सभ सख्ता अधिभूतना दिनांक 18-7-77 को रद्द समझा जाए।

सं. ओ०-II-1046/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर कोणी पाण्यापन को, 19-9-1977 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं. ओ०-II 1093/73-स्थापना—श्री विथल मोरे, उप-पुलिस अधीक्षक, 23वी वाहनी के० रि० पू० दल 31 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश 1-10-77 से 31-10-77 तक के समाप्त होने पर इस दल से 31-10-77 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो जायेगे।

सं. ओ०-II-1075/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर यश-कुमार पुन्धोर को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 1-10-1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं. ओ०-II-41/69-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० एस० दुबे, कमान्डेन्ट को उसके पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप-महानिरीक्षक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री दुबे ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप-महानिरीक्षक, गोहाटी के पद का कार्यभार दिनांक 15 सितम्बर 1977 के अपराह्न से सभाला।

सं. ओ०-II-1000/72-स्थापना—श्री अस्तर मिह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 55वी वाहनी के० रि० पू० दल के पद का कार्यभार 30-9-1977 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 11 अक्टूबर, 1977

मं. ओ०-II-1055/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल इयर्टी आर्फिसर ग्रेड 1) डाक्टर गुलाबचन्द गाथी, बैम हाम्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल हैदराबाद, का त्यागपत्र दिनांक 9-9-1977 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाद्याय
महायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अक्टूबर 1977

सं ६२-२९०२०/७/७७-मा० प्रश्ना० II—अधिकारी मवानय (रक्षा) के श्री मत्येन्द्र मिह, स्पाई सहायक, जो इस समय के० औ० सु० ब० में ३०-११-७४ (अपराह्न) से अनुभाग अधिकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, को दिनांक २३-९-७७ के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० में मूल रूप से स्थानान्तरण के आधार पर अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

लो० सि० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं १०/१३/७६-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक, श्री औ० पी० शर्मा, को, जो इस समय जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत है, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर, अस्थायी रूप में ७ सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं १०/१३/७६-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, तमिल नाडु एवं पाण्डिचेरी, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एम० पचापकेशन को, जो इस समय उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत है, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में ९ सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

मं १०/१३/७६-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अन्वेषक श्री एस० पी० शर्मा, को, जो इस समय जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लैंडर में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत है, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में ८ सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

मं १०/१३/७६-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एम० के० शहजा को, जो इस समय इसी कार्यालय में अनुसन्धान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत है, इस कार्यालय में नियमित आधार पर अस्थायी रूप में ९ सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उनके द्वारा तदर्थ आधार पर धारित अनुसन्धान अधिकारी के पद का कार्यभार, उन्होंने उसी तारीख से छोड़ा।

सं ११/१/७७-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख ९ जून, 1977 की अधिसूचना सं ११/१/७७-प्रश्ना०-I के अनुक्रम में, जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल के कार्यालय अधीक्षक, श्री एस० के० मजूमदार की जनगणना कार्य निदेशालय, नाशालैण्ड में महायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख १८-१०-१९७७ से ३१-१२-७७ तक की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं ११/१/७७-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख ९ जून, 1977 की अधिसूचना सं ११/१/७७-प्रश्ना०-I के अनुक्रम में, जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय अधीक्षक श्री बी० डी० शर्मा की जनगणना कार्य निदेशालय, सच राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़ में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तीन महीने के लिए तारीख १-१०-१९७७ से तारीख ३१-१२-१९७७ तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

रा० भ० चारी
भारत के महापंजीकार और
भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

वित मत्तालय

बैंक नोट मुद्रणालय

दंवास, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं १०/५८८१/६८४८-द्वाम-६—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक ७-६-७७ के अनुक्रम में श्री एम० एल० नारायण उप-नियमित्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक ७-९-७७ पूर्वाह्न से तीन माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो निस्तंतर की जाती है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परोक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार प्रधम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-१, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं प्रश्ना० १०/१०३८-XV/२३८२—महालेखाकार प्रधम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की नियि /तियियों से अगला आदेश जारी होने तक महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय में बहाली करने की कृपा की है।

1. सरवेश्री दीलीप कुमार मुखर्जी दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न से)

2. सर्वेश्री चम्पाई मूरमू दिनांक 10-10-77
(पूर्वाह्न से)

3. सर्वश्री जनीन्द्रनाथ सरकार	दिनांक 10-10-77 (पूर्वाह्नि)
4. सर्वश्री निर्मलेन्दु चश्वर्ती	दिनांक 10-10-77 (पूर्वाह्नि)

उपरोक्त अधिकारीगण अपने वर्तमान पदों से मुक्त होकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासा०) महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के समक्ष उपस्थित हो। जिसमें उनकी बहाली लेखा अधिकारी के रिक्त स्थानों पर हो सके।

अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता की मूच्छना काल क्रम में दें दी जाएँगी।

हॉ. अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासा०)

कार्यालय लेखा परीक्षा, रक्षा सेवा

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

3388/स०ए०-प्रशासन/130/75-77 —लेखा परीक्षा, रक्षा सेवा ए के निम्नलिखित अधिकारी उनके आगे लिखी तारीख से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नाम	तिथि
सर्वश्री	
1. टी० महादेवन	31-8-77 (पूर्वाह्नि)
2. एस० एच० एस० थापर	31-8-77 (पूर्वाह्नि)
कौ० वी० दाम भौमिक वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवा	
रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षालेखा महानियन्त्रक नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अक्टूबर, 1977	
स० 71019(9)/77 प्रशासा०-II—गट्टपति, मन् 1975 में सध लोक सेवा आयोग द्वारा लो गयी सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामस्वरूप, श्री बीरेन्द्र दीवान को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन के रूप में दिनांक 2-11-1976 (पूर्वाह्नि) से सहर्ष नियुक्त करते हैं।	
वी० एस० भीर रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासा०)	

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य-नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

आयात तथा निर्यात आपार नियन्त्रण

(स्थापना)

स० 6/305/55-प्रशासन (राज०)/7223—राष्ट्रपति,
श्री कौ० पी० नारायण, स्थायी नियन्त्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी-

2) को 26 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्नि से अगला आदेश होने तक सयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वै० शेषाद्रि
मुख्य-नियन्त्रक
आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

(श्रौद्धोगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकासायुक्त (लघू उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1977

स० ए० 19018/272/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री तपन कुमार बघोपाध्याय को लघू उद्योग विकास संगठन, नई दिल्ली में दिनांक 1 अगस्त 1977 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेशों तक के लिए उप निदेशक (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री तपन कुमार बघोपाध्याय ने दिनांक 1 अगस्त, 1977 (पूर्वाह्नि) से लघू उद्योग सेवा संस्थान, ओडिशा, नई दिल्ली कार्यालय के उप-निदेशक (यात्रिकी) के पद, जिस पर वे तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1977

म० 12/506/63-प्रशासन (राजपत्रित)—पदावनन्ति के फलस्वरूप श्री आर० पी० चुग, ने दिनांक 1 जूलाई 1977 (पूर्वाह्नि) से लघू उद्योग सेवा संस्थान, ओडिशा, नई दिल्ली कार्यालय के उप-निदेशक (यात्रिकी) के पद का तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, का कार्यभार सभाल लिया।

दिनांक 6 अक्टूबर 1977

स० 12 (226)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—श्री जी० डी० दुग्गल, उप-निदेशक (यात्रिकी) का राष्ट्रपति जी लघू उद्योग विकास संगठन में दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्नि से 31 दिसम्बर, 1977 तक की अवधि या पद के स्थाई रूप से भर जाने तक के लिए, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-II) (यात्रिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री जी० डी० दुग्गल ने लघू उद्योग सेवा संस्थान लुधियाना के उप-निदेशक (यात्रिकी) के पद का कार्यभार दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्नि) से छोड़ दिया और उसी कार्यालय में दिनांक 23 मई, 1977 (अपराह्नि) से निदेशक (ग्रेड-II) (यात्रिकी) के पद का कार्यभार सभाल लिया।

वी० वै० वेंकटरायलू
उप-निदेशक (प्रशासन

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० प्र०-1/1 (1061)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री आर० के० घोष को दिनांक 17 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) (प्रशिक्षण आरक्षी) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

कीरत सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

(प्रशासन अनुभाग-15)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० प्र० 15/28 (631)/77—राष्ट्रपति, केंद्रीय सूचना सेवा के अधिकारी श्री के० एस० रामभूति को दिनांक 1 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (शिक्षायन तथा जनसम्पर्क) (वेतनमान 1500-1800) के पद पर उप सचिव के वेतन पर नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इम्पान और खान मन्त्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक 5 अगस्त, 1977

सं० ए०-19011 (221)/77-स्थापना-ए०—राष्ट्रपति, श्री आर० बी० देशमुख को 16 अगस्त के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खमन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष
कृते नियवक

भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० 4611/बी०/40/59/मी०/19ए—भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) श्री अनन्त देव मुखर्जी को अधीक्षक के पद पर उसी विभाग में 19-8-1977 (पूर्वाह्न) से परावर्तित किया गया है।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० सी०-5-283/707—भारतीय सर्वेक्षण विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में अधिकारी सर्वेक्षक (वर्ग 'बी') के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है—

पद तथा नाम	यूनिट/ कार्यालय	नियुक्ति की तारीख	अध्यक्षित
1. श्री नरेण कुमार पार्टी स० 58 सर्वेक्षक मलेक्षण (प० म०) ग्रेड अजमेर	सर्वेक्षक मलेक्षण (प० म०) (पूर्वाह्न)	21-9-77	—
2. श्री मोहन लाल, स० 11 आर०- ड्राफ्टसमैन व्यव कार्यालय डिविजन 1 (द० प० स०) मलेक्षण ग्रेड भुवनेश्वर	व्यव कार्यालय (पूर्वाह्न)	1-8-77	—

के० ए० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
नियुक्ति अधिकारी

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977

सं० 5/7/68-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, प्रतद्वारा श्री रजनीश प्रगाद मिशन को, आकाशवाणी, दरभंगा में 10 अगस्त, 1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० 10/76/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री ए० मुख्याराव को, दिनांक 26-8-77 से, दूरदृश्य केन्द्र, गुलबर्ग, में सहायक इंजीनियर के पद पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

शुद्धिपत्र

सं० 10/12/72-एस० तीन—अधिसूचना सं० 10/12/72 एस०-३, दिनांक 9-8-77 की आखरी लाईन में दिए गए शब्द '91 दिन, को '121 दिन, पढ़ा जाए।

दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 10/40/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० आर० भरार को उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, खाम-पुर मे 5-9-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप मे नियुक्त करते है।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक

दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 10/117/77-स्टाफ-3—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सी० बी० महातो को, दिनांक 28-6-77 से दूरदर्शन केन्द्र, मुजफ्फर-पुर मे सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप मे नियुक्त करते है।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रासारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977

सं० 8/65/50-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता, श्री एस० पी० रामन, स्थायी छाया ग्राहक फिल्म प्रभाग नईदिल्ली को दिनांक 19-9-77 के पूर्वाह्न से, श्री अवनासी राम, समाचार अधिकारी सेवा निवृत्त होने के कारण उसी दफतर मे स्थानापन्न समाचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 6/64/56-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता, श्री एस० ए० नार्वेंकर छुटी पर जाने के कारण श्री एम० छ्ठ० देवी-दासन, स्थानापन्न ले आउट आर्टीस्ट को दिनांक 10-10-1977 के पूर्वाह्न से, इन विटबिन अनिमेटर के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई मे नियुक्त करता है।

सं० 2/4/68-सिवन्दी-I—श्री एस० आर० सेठी, स्थानापन्न निर्माण प्रबन्धक फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 17-9-1977 के अपराह्न से स्थायी यूनिट मैनेजर के पद पर प्रत्यार्वति भाने जायेगे।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

नईदिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

सं० ए०-12026/8/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री खेगती लाल वर्मा, इस निदेशालय के वितरण सहायक को 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से अगले आदेश तक, तदर्थे आधार पर अस्थायी रूप से सहायक वितरण अधिकारी नियुक्त करते है।

आर० देवामर,
उप-निदेशक (प्र०)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए०-19019/46/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डाक्टर (श्रीमती) मलिन प्रसाद को 12 अगस्त 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना मे होम्यो-पैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

एस० एस० भाटिया,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान शास्त्रा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 14 सितम्बर, 1977

सं० फा० 74/15/72-वि०-I—मैं, जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ०-3184, दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (ii) 83, दिनांक 29 जुलाई, 1961 (iii) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (iv) 157, दिनांक 22 जून, 1963, और जी० एस० आर० 904, दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का उपयोग करते हुए सर्वश्री एन गोपाल, विपणन अधिकारी, काली-कट, पी० रामचन्द्रन, नायर, सहायक विपणन अधिकारी, मगलौर और बी० बनराम मूर्ति, विपणन अधिकारी, बंगलौर को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से चन्दन तेल और निम्बूघास तेल, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर सम्बोधित सुगम्भित तेल श्रेणीकरण और चिन्नन तियम 1954 के एनुसार किया जा चुका है तथा जिनका नियर्ति उपरोक्त अधिसूचनाओ के उपबन्धो के अधीन है, के मध्यन्ध मे श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उप्पल,
कृषि विपणन मलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर, 1977

सं० फाईल-4-7 (2)/74-प्र०-II—उपविरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री पी० एम० छृष्णन ने इस निदेशालय मे मद्रास मे दिनांक 14 सितम्बर, 77 के अपराह्न मे मुख्य रसायनक के पद का आर्याभार सौप दिया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विपणन मलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 21 सितम्बर 1977

स० पी० पी० ई० ई०-३ (262)/७६-प्रशा०/१३०४८—
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न मनेशन ग्रेड कलर्क श्री एच० एच० शाह को, एनद्वारा, उसी प्रभाग में, 1 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 11 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न तक, अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी, नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री टी० टी० पिशोरी के स्थान पर की गई है जिन्हे प्रशिक्षण के लिये भेजा गया है।

बी० बी० थट्टे,
प्रशासन अधिकारी

तरीका, दिनांक 21 मितम्बर 1977

स० एन० ए० पी० पी०/प्रशासन/१ (46)/७७-एम०/
१०२०७—राजस्व बोर्ड कार्यालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश के नायब तहमीलदार, श्री रामायण प्रकाश श्रीवास्तव ने, जो इस परियोजना में भू-प्रबन्ध अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त थे, अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के कारण अपने मूल विभाग को प्रत्यावर्तित होने पर इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार 26 अगस्त, 1977 के अपराह्न से छोड़ दिया।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 26 सितम्बर 1977

स० ई० पी० एस०/२३/८/७७-स्था०—निदेशक, क्रय एवं भडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भडार निदेशालय के महायक लेखाकार, श्री के० पी० वाडिया को 2 मई, 1977 से 12 अगस्त, 1977 के अपराह्न तक उसी निदेशालय में ८४०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रुपये के वेतन मान में तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

स० डी० पी० मए०/२३/८/७७-स्था०/२९९०१—निदेशक, क्रय एवं भडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भडार निदेशालय के लेखाकार, श्री दर्शन सिंह को 2 मई, 1977 के पूर्वाह्न से 12 अगस्त, 1977 के अपराह्न तक उसी निदेशालय में ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६० रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री के० पी० वाडिया महायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की गई है, जिन्हें लेखा अधिकारी-II नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चौपडा
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400008, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

संदर्भ: भापापाए/स्था०/१/धा-३९/५४०५—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री यशवन्त पुरुषोत्तम धार-पुरे, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएँ (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न प्रवर प्रक्रम लिपिक को, उसी कार्यालय में ३ अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से १० नवम्बर, 1977 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर श्री आर० एन० रामचन्द्रानी, महायक कार्मिक अधिकारी, जो छठी पर गए हुए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

आना: 401504 दिनांक 1 सितम्बर 1977

स० टी० ए० पी० एस०/१/१९ (३)/७६-आर०—इस कार्यालय की दिनांक 18 मई, 1977 की समसंचयक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, एक अस्थायी लेखाकार श्री वाई० आर० वेलंकर को, उसी बिजलीघर में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर, 2 जून, 1977 से 27 जून, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये महायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 मितम्बर 1977

स० टी० ए० पी० एस०/१/१८ (३)/७७-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के निजी महायक श्री बी० के० पी० पिल्ले को, 5 सितम्बर, 1977 से 11 अक्टूबर, 1977 की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यह नियुक्ति महायक कार्मिक अधिकारी श्री एस० त्रयम्बक नाथ के स्थान पर की गई है, जो प्रशिक्षण के लिए भेजे गये हैं।

डी० बी० मारकाले,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई-400039, दिनांक 28 सितम्बर 1977

स० ए० पी० ए०/प्रशासन/२/१०/७६—प्रध्यक्ष व मुख्य कार्यालय के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० कृष्णन को 1 अगस्त, 1977 से मौलिक रूप से महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली,
मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
कृते प्रध्यक्ष व मुख्य कार्यपालक

पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 06106—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० दयाल को 20-9-77 से 17-12-77 तक 89 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दयाल, स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालसुब्रह्मन्यन,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० ए०-32013/8/77-ई० सी०—गण्डपति ने श्री बी० एस० ग्रेवाल, महायक निदेशक संचार (मुख्यालय) नागर विमानन विभाग को 19-8-77 (पूर्वाह्नि) से 30-4-78 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थे आधार पर नियन्त्रक संचार के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में तैनात किया है।

प्रेमचन्द्र जैन
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

सं० 1/439/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री डी० पी० नासकर को अल्प काल के लिये खाली जगह पर 10-5-77 से 2-7-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायस को अल्प काल के लिये खाली जगह पर (1) 3-1-77 से 6-2-77 और

(2) 15-7-77 से 30-7-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/338/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक श्री ए० को० बोस को अल्प काल के लिये खाली जगह पर 27-6-77 से 12-8-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में महायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कुण्डल्यामी,
प्रशासन प्रधिकारी
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

सं० 16/262/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री अनूग कान्ति डे को दिनांक 3 अक्टूबर, 1977 के ग्राहणात्मक से अगले आदेशों तक सहायक इजी-निपर (यात्रिकीय), वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में भर्त्य नियुक्त करते हैं।

सं० 16/265/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, थान्ध प्रदेश वन विभाग के अधिकारी श्री एम० पवूमनाभा रेहडी को दिनांक 8 सितंसम्वर, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेशों तक डैनिडा/भारत वृक्ष सुधार परियोजना में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/268/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री बी० के० गुप्ता, अनुसंधान सहायक वर्ग-I को, दिनांक 25 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेशों तक महर्ष अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में नियुक्त करते हैं।

सं० 16/269/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री जनेश्वर दयाल जैन को, दिनांक 25 जुलाई, 1977 से अगले आदेशों तक महर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टनागर
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहृतालय

पटना, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

मि० स० 11(7) 1-स्था०/77/11864—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के आदेश संख्या 113/77, दिनांक 1-8-77 के अनुसरण में निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद, आई० ए० एस० की परीक्षाकाल के आधार पर भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद सेवा में श्रेणी 'आ' के रूप में नियुक्त किया गया, उपर्युक्त आदेशानुसार वे सीमा शुल्क समाहृतालय पटना में उनके नाम के सामने दिए गए, तिथि से अधीक्षक श्रेणी 'ख' के रूप में कार्यभार ग्रहण किए।

अधिकारी का नाम

कार्यभार ग्रहण
करने की तिथि

(1) श्री शिशिर कुमार	.	.	22-8-77
(2) श्री अृपिकेश शरण	.	.	10-8-77
(3) श्री राजेन्द्र प्रसाद	.	.	4-8-77
(4) श्री अगस्तिन बा	.	.	12-8-77

हरिनारायण साहू,

समाहृता

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

केन्द्रीय जल आयोग
नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1977।

सं० ए०-19012/2/77-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल अयोग अपने प्रसाद से श्री श्राई० आर० एम० मुद्रामन्त्यम्, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग मे पूर्णतया अस्थायी और तदर्थे रूप मे वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु० 40-1200 के ऋग मे दिनांक 5-7-77 पुर्वाह्नि से अगले शार्दूल तक महायक अभियता नियुक्त करते हैं।

श्री श्राई० आर० एम० मुद्रामन्त्यम ने महायक अभियता के कार्यालय का कार्यभार सूखा क्षेत्र अध्ययन उप-प्रधान-3, हैदराबाद मे जो कि अधीक्षक अभियता, सूखा क्षेत्र अध्ययन बृक्ष संख्या 2, हैदराबाद के अधीन है, मे दिनांक 5-7-77 पुर्वाह्नि से ले लिया है।

जितेन्द्र कुमार साहा,
अवधार सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

अनुसंधान अभिकल्प और भानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 30 सितम्बर 1977

सं० ई०-II/ई० ई०-एस०/सी एफ० एम०/सिविल/ओ०—
श्री मो० द० महाशब्दे, स्थाना० महायक अधिकल्प इंजीनियर (पुल तथा संरचना), अनुसंधान अभिकल्प और भानक संगठन को दिनांक 8-7-76 से इस संगठन मे द्वितीय श्रेणी मे सहायक अनुसंधान इंजीनियर/रिलपथअभिलेखीयान-मीटर लाइन के रूप मे शायी किया जाता है।

गोपी नाथ भट्टाचार्य,
महानिदेशक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1977।

म० 15—भारतीय रेल अभियंतकी विभाग के श्री बी० पी० गोपन प्रबर अभियता (निर्माण) II-हलाहाबाद 31-8-1977 अपराह्न से आयु अधीन मेवा निवृत हो गये हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० 17—श्री प्रीतम सिंह, कर्मसाला विद्युत अभियंता, अमृतसर का विनांक 30-9-77 को देहान्त हो गया है।

जी० एच० केसवानी
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि वार्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वास्तिक बेनीफिट्स प्राइवेट (समाप्त मे) लिमिटेड के विषय मे।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

समाप्त/3286/18396—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे अन्द्रद्वारा सूचना वी 2-306GI/77

जाती है कि स्वास्तिक बेनीफिट्स प्राइवेट लिमिटेड (समाप्त मे) का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रार० के० अरोड़ा,
महायक रजिस्ट्रर आफ कम्पनीज
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और मानिक चाट वागरी
लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

सं० 16622/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे एतन्द्वारा सूचना दी जाती है कि मानिक चाट वागरी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ,
कम्पनीयो का सहायक रजिस्ट्रर
पश्चिम बंगाल

आयकर आयुक्त का कार्यालय

सिलंग 793001, दिनांक 14 अक्टूबर 1977

सूचना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287, उपधारा (1) के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार का इस विचार होने के कारण, कि ऐसी कार्यवाही लोकस्वार्थ के सिए उचित है, मे केन्द्रीय सरकार द्वारा मूल पर प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियो के नाम एवं अस्थि विवरण प्रकाशित कर रहा हू जिनके अकेया कर को रकम वित्तीय वर्ष 1976-77 का अन्तिम दिन 1,00,000 रुपए या इससे ज्यादा था—

क्रम	निर्धारितियो के नाम और पता	बकाया कर का रकम
सं०	2	3
1	मेसार्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, आसाम	रु० 2,47,941
2	श्री बुर्गदित्त शर्मा, के०/ओ० मेसार्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, आसाम	रु० 8,37,424
3.	शेख मोहम्मद नवाब, जोरहाट आसाम	रु० 1,50,626
4.	इसराइल खान (मृत), पांच आली, हिलरूगढ़, आसाम	रु० 2,47,307
5	मेसार्स मंगल अम्ब राम कुमार एण्ड को० डिबरुगढ़, आसाम	रु० 1,66,457

1	2	3
6.	तोलाराम विजयकुमार (हिन्दू ग्रन्थिभन कुटुम्ब) धूवडी, आमाम	रु० 1,24,661
7	मरदार प्रीतम सिंह रत्न, गनी धर्मियालीयन, मकान न० 1507 चायलमडी, अमृतसर (पंजाब)	रु० 4,45,042

जिन निर्धारितियों की बकाया कर का रकम वित्तीय वर्ष 1976-77 के अंतिम दिन (यारी 31-3-77 तारीख) 1,00,000 (एक लाख) रुपाएँ से ज्यादा था, उनके नाम एवं

अन्य विवरण इसी सम्बाद पत्र में आज प्रकाशित किए गए हैं।

जनसाधारण को सूचना दी जा रही है कि इन अतिक्रमियों के अपने नाम या उनके किसी रिस्तेवार या बेनामदार के नाम रखी हुई सम्पत्तियों एवं/या विनिधान के बारे में अगर उनकी जानकारी हो तो इसके बारे में वे गोपनीयता और विश्वास-पूर्वक सम्पत्ति आयकर आयुक्त को कृपया सूचित करें।

एस० एन० सेन
आयकर आयुक्त, नार्थ इस्टने
रीजन, शिलाग (मेघालय)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) जनरल फाइबर डीलर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

(2) दी० रेडीमनी प्रीमिसेस को० आप० हाउ० सो० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज 1 बब्बै

बम्बई, दिनांक 11 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं अ० इ०-१/ 1953-10/ फर० -७७ —प्रत.,
मुझे एफ० जे० फर्नांडीजआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसको सं० सी० एस० न० 2/123 का लोबर बरेल
डिवीजन है तथा जो डा० अनिबंधत रोड मे स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूच मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बब्बै मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1/2/1977।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप मे कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे मुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भाग्नीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के
लिए;जैसा कि विलेख न० 1091/ 1974 / बब्बै उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 1/2/77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नांडीज

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन इलाका -1, बब्बै

भ्रम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11 अक्टूबर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी टी. एन० एस० —————

(1) श्री प्रफुल्ल चन्द्र बर्मन,

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज - 4

कलकत्ता, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० ए० सि० / 18/ अर्जन-रे-4/ कल० / 77-78 —
अत., मुझे, ए० एन० वट्टाचार्य

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी स० 162/ डि० / 570/ 1 है, तथा जो लेक
गार्डेन्स, कलकत्ता - 45 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्राम्पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-1-77।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपबारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथति —

(2) श्रीमती सुचिता वट्टाचार्य

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के सबध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यवितयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के दृष्ट्याय 20-क में यथापरि-
भाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

162 / डि० / 570/ 1, लेक गार्डेन्स, कलकत्ता - 45 में
स्थित खाली जमीन, परिमात्र 3 कट्टा 32 स्क० फीट के भूमदय
चीजों

ए० एन० वट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4, कलकत्ता

तारीख 12-10-1977

मोहर

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 13 अक्टूबर, 1977

निदेश न० ए० पी० 1718 —यत्, मुझे बी० एम० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत्. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतः—

(1) श्री किशोरी साम्र सयाल पुत्र श्री लक्षकारी मल सयाल, सैन्ट्रल मिल, नजदीक सत मिनेमा, जालन्धर
(अन्तरक)

(2) मैं० ठाकुर पृष्ठ भन्ज, जी० टी० रोड, जालन्धर
मार्फत ठाकुर रखी राज मिह, 457-न्य० जवाहर
नगर, जालन्धर शहर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्ति द्वारा सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख न० 518 मई, 77 की रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 13-10-77

मोहर .

प्रस्तुति प्राप्ति दी ० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 13 अक्टूबर, 77

निदेश नं० ए० पी० 1719.—यत्, मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो माइल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) श्री जसवंत मिहं पुत्र श्री हरी मिहं मार्फत न्यू सुरज ट्रांसपोर्ट कम्पनी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर पुत्री, श्री दासौन्दा सिंह, 108 एस०, माडल टाउन, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 742 मई, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एम० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, जालन्धर

तारीख : 13/10/77

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एम० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निवेश नं० 309/ अर्जन/ आगरा/ 77-78 —अत्. मुझे
 आर० पी० भारीव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए में अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो में स्थित
 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-77
 को पूर्वोंकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

(1) श्री राम किशन अरोड़ा पुत्र रोशन दास अरोड़ा
 निं० सुभाष नगर कालोनी नाई की मण्डी, आगरा
 (अन्तरक)

(2) श्री राम मोहन व रवीकुमार मदान पुत्र श्री गुणदित्ता
 राम अरोड़ा निं० कटरा नील बाजार नाई की
 माडी, आगरा।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 3/50 ओं कि खान्डारी रोड
 आगरा में स्थित है राजा (बलवन्त विह गोड) आगरा उचित
 बाजारी मूल्य 54,000 रु० में बेची गयी।

आर० पी० भारीव
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 10-10-77

मोहर :

प्र० प्रा० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26९ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, महायकर मायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 अक्टूबर 1977

निवेश म० ए.एम आर/ 25/77-78 —यत, मुझे एम० के० गोयल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो तुगपाई, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-ग के अनुसरत में, उक्त अधिनियम की धारा 26९-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी खरीती लाल श्री बनराज पुल नागरसर, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज डी० के० प्रिंटिंग मिल्स द्वारा श्री बलबीर चन्द मेहरा 61, बेरी गढ़, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर क्रमाक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सवि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंष्ठप्रधान में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 भू-खण्ड नाम 1134 वर्गगत एवं 603 वर्गगत तुगपाई, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख संख्या 1557 एवं 1559 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एम० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर मायकर प्राप्ति (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 1 अक्टूबर 1977

मोहर .

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निदेश नं० एएसआर/26/77-78—यह, मुझे एस०के०
गोप्यल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी न० 343 है तथा जो शिवाला रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, शहर
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 77 को

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

वह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

3—306GI/77

(1) श्री वन्देव राज पुत्र श्री ज्ञानचन्द्र द्वारा महाज
टेक्सटाइल्स, अन्दर मुलान विड, गेट, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) मर्वंश्री मनीष कुमार एवं अर्णवनी कुमार पुत्रगण
चमनलाल कटरा द्वालो, अमृतसर
(अन्नरिती)

(3) जैसा कि ऊपर अकात 2 पर अकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुक्त रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके नामे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 343 शिवाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कूत विलेख संख्या 1491 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोप्यल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख . 10 अक्टूबर 1977

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ३० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अक्टूबर 77

निदेश सं० पासमार/27/77-78—यत मुझे

एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो कूपर रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कपी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् —

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी चन्नी लाल पुत्र श्री रामनरायन दी माल टोंगा कालोनी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) मर्वे श्री ज्वालादाम, किशनलाल, मुभाप चन्द्र पुत्रलगंण श्री रामदाम, कूपर रोड, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर अक्त 2 पर अकित है और यदि कोई किंगे दार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सपत्नि में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानाता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रोकारण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भू-खण्ड नाम 300 वर्गगज कूपर रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कूट विलेख संख्या 1494 एवं 1495 फरवरी 1977 में रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-10-1977

मोहर :

प्रलेप प्राईंडो टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प, (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 11 अक्टूबर 77

निदेश स० ए एम आर/20/77-78—यत मुझे
एस० के० गोयल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि यथावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम मेहदीपुर तहसील में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में मौजूद है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् —

(1) श्री आसा सिंह पुत्र श्री जीवन मिह निवासी ग्राम गहवीपुर, तहसील पट्टी, जिला अमृतसर (अन्तरक)

(2) सर्वक्षी पाखर सिंह, दर्शन मिह, सुखचैन सिंह, पांव रेशम सिंह पुत्रगण श्री करतार मिह पुत्र श्री हुकम मिह, निवासी ग्राम मेहदीपुर, तहसील पट्टी, जिला अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकिन है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मौजूद होता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके प्रोत्तर सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि नाप के० एम० 109-7 ग्राम मेहदीपुर तहसील पट्टी, जिला अमृतसर जैमा कि रजिस्ट्रीकून विलेख संख्या 626 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी, जिला-अमृतसर में निखा है।

एम० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-10-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

निदेश स० एएसआर/ 29/ 77-78 —पत, मुझे एस०
के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० 55 मिन आर० बी० प्रकाशनचन्द्र
रोड है तथा जो पुलिम लाइन के पास, अमृतसर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है थोर अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत् --

(1) श्री जतिन्दर अग्रवाल, श्री सतीश कुमार, श्री पवन कुमार
श्री नरिन्दर कुमार पुन्नगण श्री कुन्दन लाल पात्र
कुमारी रीता पुत्री श्री कुन्दन लाल, श्रीमती आजातांत्री
विधवा श्री कुन्दन लाल, निवासी 220, पवन महल
न्य० 11 रोड, चैम्बूर बास्टे -71

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजगम्भीर पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह, 7 अमर-
तोला गली कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमाक 2 पर अकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।

(4) कोई व्यक्ति जो मम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड न० 55 नाप 528 वर्गगज स्थित आर० बी०
प्रकाशनचन्द्र रोड, पुलिम लाइन के पास, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कूल विनेख संख्या 1426 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 11-10-77

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एम०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मिस्रवर 1977

निदेश स० गज० / सहा० आ० अर्जन/ 372 :—यत्, मुझे
चुनी लाल,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है और जिसकी संप्लाट न० 9 है तथा जो कोटा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से बणित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय को बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय प्रा किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः :—

(1) श्री गुलजार हुसैन एवं श्री युसूफ अली पुत्र श्री एच०
एम० हुमैन राधा विलास कोठी, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेहरा बाई पत्नी श्रीफिदा हुसैन, राधा विलास
कोठी, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवान्नियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
मापान्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही स्थर होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 9, न्यू० मोटर मार्किट (गो रूम, साउथ विंग)
के हिस्में पर निभित एक मजिल की इमारत जो उप पंजियक कोटा
द्वारा दिनांक 19-2-77 को क्रम संख्या 177 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुनी लाला,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख . 29-9-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 सिनम्बर 77

निवेश स० राज० / महा० आयु० अर्जन / 373 :—यत्,
मुझे, चुभी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 9 है तथा जो कोटा मे स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियो को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, भर्ता :—

(1) श्री गुलजार हुसैन एवं श्री युसुफ अली पुत्र श्री एच० एम० हुसैन अली, राधा विनाम, कोटा।
(अन्तरक)

(2) श्रीमनी मलमा बाई पत्नी श्री एच० एम० हातिम अली बोहरा राधा विनाम, कोटा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20 क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम प्रधायाय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 9 के हिस्से पर निर्मित एक मजिला भवन (शो रूम साउथ एवं नोर्थ विंग के बीच मे) जो न्यू मोटर मार्केट मे स्थित है। उप पंजियक कोटा द्वारा दिनांक 19-2-77 को क्रम संख्या 172 पर पंजियक विश्वास पत्र मे और अधिक विस्तृत रूप से विवरण है।

चुभी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 29-9-77

मोहर :

प्रलूप आई० ट्री० एन० एस०-----

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्टूबर 77

निदेश सं० राज०/ सहा० आय० अर्जन / 374 —यत्,
मुझे, चुक्षी लाल,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिमकी सं० मकान नं० 320 है तथा जो प्लाट नं० 119,
जोधपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21 जून, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घटना या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए,

यहाँ प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, मर्शल्ट :—

(1) श्रीमती रत्न प्रभा जैन पत्नी श्री मोतीचन्द जैन,
शास्त्री नगर, 19/4/ए, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) मर्वशी हस्तीमल कलाल पुत्र हजारीमल कलाल,
अरविन्द पुत्र हस्तीमल कलाल (नावालिंग), राजेन्द्र²
कुमार (नावालिंग) पुत्र हस्तीमल कलाल, मोजती
गढ़ के अन्दर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योगीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'बाल भवन' के नाम से जाना जानेवाला प्लाट नं० 119
पर स्थित मकान नं० 320, सुभाव चौक के पास, , रत्नाड़,
जोधपुर।

चुक्षी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 11 अक्टूबर, 77

मोहर .

प्रलेप आई०टी०एन०एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निवेश सं० ए सी क्य० 23-1-1335 (603) :—
यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेन० 46, प्लाट नं० 10 तथा 11
है, जो होल्याना मार्ग, गोथाडा मेर स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची मेर और पूर्ण रूप मेर वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गोथाडा (भावनगर) मेर भागीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोंव्र
8-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मेर कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेर वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मेर कमी करने या उससे बचने मेर सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
मेर सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के
अनुसरण मेर, मेर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपषारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स श्रीजी एंजीवीटर्स, 335, शालीमार हाउस,
गांड रोड, बम्बई-17।
की ओर से:—

1. श्री उममान भाई अबूबकर, बोटादना, जापे,
गोथाडा।
2. श्री बिलकिसबेन अब्दुल रजाक, की ओर से पावर
एंफ अटारनी होल्डर श्री अब्दुल रजाक हाजी बनी
महमद, हजार विला, कलब बैक रोड, बम्बई,
3. श्री अब्दुल रजाक भाई अबूबकर भाई, दरवेश
मंजिल, 123, कावेर, स्ट्रीट, बम्बई-3,
4. श्री याकूब भाई हाजी, गनी, हजार विला, कलब
बैक रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्री एंजीवीटर्स, की ओर से भागीदार —
1. श्रीमती भगीरथीदेवी मनूभाई पंडया,
2. श्री अनत राय मनूभाई पंडया, मार्फत श्री
चिला, अजेद्रा भवन, भूपेन्द्र, रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध मेर कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद मेर समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों मेर से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेर^{है}
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित मेर किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क मेर परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 873 वर्ग गज भूमि पर
स्थिर है तथा जिसका सर्वे नं० 46, प्लाट नं० 10 तथा 11 है तथा
जो होल्याना मार्ग पर, गोथाडा गाव, गोथाडा तालुका मेर स्थित है
तथा जिसका पूर्ण वर्णन, 8-2-77 वाले बिश्री दस्तावेज नं० 122
/77 मेर दिया गया है।

एम० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
रेजन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-10-77

मोहृष्य :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

निदेश सं० एसीक्य० 23-I-1336(604)/11-6/
77-78—यन॑, मुझे, प्रम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० 7 है, जो वेरावल-चोरवाड रोड, प्रम० टी० बस स्टेन्ड के नामने, वेरावल में स्थिति है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4—306GI/77(1) श्री चिमनलाल केशवजी, म० नलिन कान्त एन्ड क० 1/ए०/ ओल्ड हनुमान बास लेन, बम्बई-2।
(अन्तरक)(2) डा० कान्तीलाल देवसीभाई राजा चिल्ड्रेन (स्पेशियलिस्ट) मेडिकल प्रेक्टिसनर, स्टेशन के सामने वेरावल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रमुख शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल माप 1078 5 वर्ग गज है तथा जो प्लाट न० 7, वेरावल-चोरवाड रोड, वेरावल में स्थिति है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वेरावल के 1-2-1977 के रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 301 मे प्रदर्शित है।

प्रम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद.

तारीख 7-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० ए०स०—

1. श्री मदन मोहन हिमवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री अशोक कुमार

(अन्तरित)

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

3. श्री मदन मोहन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहिया करता है।

निदेश नं० 74-ग०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० निम्नजिला मकान है तथा जो राम नगर केसरा
लालन नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 3-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीरा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

अमर सिंह बिसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

तारीख 6-10-77

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

निदेश सं० 80-बी०/ग्रंजन—प्रत मुझे अमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सूचना मय बंगला है तथा जो 3 ए०पी० सेन रोड,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के ब्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रत: यह उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:—

1. श्री मराडिन्हू बासू
(अन्तरक)
2. श्री जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
(अन्तरिती)
3. श्री एम० बासू एवं परिवार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के ग्रंजन
के लिए कार्यवाहिया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सबध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ज्ञाट मय बंगला क्षेत्रफल 55,700 स्क० फीट जो 3, ए० पी०
सेन रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज, लखनऊ

दिनांक 10-10-77
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

म० आर० ए० सी 106/77-78—यत मुझे के० एम० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-665 प्लाट 9 न० है, जो येलम्मागुड़ा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-7

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री एमआनन्दम (2) आई० एस०-यम-शरमा-कलीलबाड़ी नैजामाबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री बी० मुवाष रेडी बकील-पोलीस लैन कनटेश्वर रास्ता नैजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ देगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 9 मुनिसिपल न० 5-7-665 येलम्मा गुड़ा नैजामाबाद, जुमला विस्ती न० 354-89 वर्ग यार्ड दस्तावेज न० 417/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख . 11-10-1977

मोहर .

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1977

म ० आर० प० सी० 107/77-78 —यन, मुझे, के० प० म०
वैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म ० 6-3-1219/44 है, जो बेगमपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकर्न अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री उमाकरन तेजकरन घर नं० 8-2-547
(2) तेजकरन 8-2-547 बनजाराहीलम- हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री बी० रमेशदररेडी घर न० 6-3-1219/44
उमानगर बेगमपेट, हैदराबाद
(अन्तरिती)
3. श्री बीनदाल पारठनर इडियन रोडवेज बालानगर
हैदराबाद
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) दी डिवीजनल मैनेजर एल० आई० सी० इंडिया
सेकरीटेरीएट रास्ता, हैदराबाद
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अधिधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर न० 6-3-1219/44 प्लाट न० 44 विस्ती न० 456
वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री की गई दस्तावेज न० 442/

77 उपरजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद, हैदराबाद—उसके अताका।

उत्तर . घर न० 6-3-1219/44

दक्षिण : राजा जितेन्द्र प्रसाद राय

पूर्व जमीन हबीब जंग

पश्चिम : श्राम रास्ता

के० एस० वैकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप साईद० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977
स० आर० ए० सी० न० 108/77-78 —यत.. मुझे
के० एम० वेक्टरगमन

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० न० 836/ ग० है, जो रामपुर करीम
नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टातः:—

(1) 1. कुरेमी बेगम पति स्वर्गीय सैयदबद्रहीन
2. कुलमुमुनीपावेगम पति महमद अब्दुल जबीर
3. सैयद बद्रहीन पिना सैयद कादर मोहम्मद
करीमनगर में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री बीलाराजीरेड्डी पिता शीनारेड्डी
2. चादापेदारेड्डी पिता लक्ष्मारेड्डी,
3. बुदा रामरेड्डी
4. केद्यैदा लीनगरा रेड्डी,
5. चदा कृशनन रेड्डी तमाम लोग रहते हैं करीम
नगर में

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एम० एफ० न० 836/ए० रामपुर करीमनगर के पास
जुमला विस्ती न० 5-31 एकड़ रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज
न० 562/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय करीमनगर में।

के० एम० वेक्टरगमन
सभम प्राधिकारी,
महायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० मी० 10९ /७७-७८ —ग्रन्त, मुझे, क० ए० म०
वेक्टरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० 7-2-860 / प्लाट नं० 14 है, जो
जनरल मार्केट मिकन्दगाबाद में स्थित है (और इसमें उपांडड
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के
कार्यालय, मिकन्दगाबाद में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य भेद अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित मर्ही किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
पे गुणिता के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यो, अर्थात्:—

(1) श्री दी० लक्ष्मण राऊ पिंडा ई० नरसीमलू शमशाबाद
हैदराबाद जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला पर्ल नारायण दाम लालवाणी
पहली मजिला राजा भवन पानजार मिकन्दगाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिण्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मुल्की न० 7-2-860 प्लाट न० 14 जनरल बाजार मिकन्दगा-
बाद विस्तीर्ण 43 बर्गाई रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 201/77
34 रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दगाबाद।

क० ए० म० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 12-10-1977
मोहर

प्रस्तुत भाई० डी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

स० आर० ए०सी० नं० 110/77-78—यत्, मुझे, के० एस०
वेकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भं० 137 और 138 है, जो एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्वामितक कन्सट्रक्शन कम्पनी 111 एस०-डी०-रास्ता सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीकृष्ण भुपाल 3-6-416/3 ईमायतनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफीम का नं० 137 और 138 (50 %) जगह 111 सरोजनीदेवी रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री की गई है। दम्नावेज नं० 222/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद में।

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख . 12-10-77

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

म० आर० ए० सी० न० 111/77-78 —यत, मुझे के०
ए० स० वैकटगमन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी भ० 137 और 138 (50%) है, जो
111-ए०-डी० गस्ता मिकन्दराबाद मे० स्थित हैं (और इससे
उपबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे०
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्हीं आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मे०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-306GI/77

(1) स्वनस्तिक कन्द्रकशन कम्पनी 111 सरोजीनी देवी
रास्ता सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीराम भुपाल मदुपाला घर नं० 3-6-416/3
ईमायतनगर हैदराबाद-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया
है।

अनुसूची

जगह नं० 137 और 138 (50%) 111-सरोजीनी
देवी रास्ता मिकन्दराबाद मे० रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं०
232/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद।

के० ए० वैकटगमन,
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० ए० ए० स० —————

(1) स्वामित्व कनस्ट्रक्शन कम्पनी 111-ए० डी० रास्ता, मिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० नं०-112-77/78—यत., मुझे,
के० ए० स० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 334 आपीसा है, जो 111 ए० डी० रास्ता मिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी वरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री ए० अनुमनबाधारी घर न० 17-6-211 दबीर पुरा दरवाजा के बाहर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(3) डॉक्टर मीनरल्स डब्ल्यूमेन्ट इंडीजन आटोमिक पावर—कार्यालय -111 ए० डी० रास्ता मिकन्द्राबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधीक्षिताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगह का घर न० 334-III-मनजीला-चेन्नालोक ए०-III-ए० डी० रास्ता मिकन्द्राबाद रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 268/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० ए० स० वेकट रामन,
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12 अक्टूबर 1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

म० आर० ए० मी०-113/77-78—यत्, मुझे के ऊपर
वेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 329 और 330 है, जो एस० टी० रास्ता सिकन्दरगाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्ति करने से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

- (1) श्री स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी, III-एम० डी० रास्ता-सिकन्द्राबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री एम० सदानन्द चारी, श्रीमती एम० कृष्णवेनी द्वारा घर न० 17-6-211, दबीरपुरा । (अन्तरिती)
- (3) डायरेक्टर आटामिक मिनरल्स डीवलपमेंट डिवीजन, आटामिक इनर्जी, कार्यालय III-एस० डी० रास्ता सिकन्दरगाबाद । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकिम घर न० 329 और 330 (50%) चन्द्रालोक में III-एम० डी० रास्ता सीकन्द्राबाद में दस्तावेज न० 280/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दरगाबाद में ।

कौ० एम० वेकटरामन
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर श्रावक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1977.

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

सं० 114/77-78 यत् मुझे के० एस० वेकट रामन सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रमिसेम न० 329-330 है, जी 111 एस० डी रोड सिकन्दराबाद मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

- (1) स्वस्तिक कस्टम्स अपनी 111 सरोजनी देवी रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमती/कुमारी एम० कृष्णा देवी पत्नी एम० मद्रम्मा चारी 17-6-211, बेस्ट दबीर पूरा, हैदराबाद। (अन्तरिती)
- (3) डायरेटर, एटोमिक मिनरल डिविजन, (एटोमिक पनजी के कार्यालय, 111, एम० डी० रोड, सिकन्दराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभिंग से सपत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सिकन्दराबाद, सरोजनी देवी रोड पर स्थित चन्द्रालोक कोम्प्लेक्स मे आफिस प्रमिसेम न० 329-330 (50%) बांग जो सिकन्दराबाद सब रजिस्ट्री कार्यालय पर दस्तावेज न० 281/77 से रजिस्ट्री की गई है।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख :

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस० —————

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

म० प्रा० प० स० 116/77-78—यत मुझे क० एस०
वेकट रामन

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है।

और जिसकी न० 2-4-1115/2 और 3 है, जो काछीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (योंग छगमे उआबढ श्रन्मूच्ची में और पूर्ण रुपा में बर्णित है), रजिस्ट्रीर्नरी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) वाणी येस-ममतानी (2) येन-येस समतानी
(3) आर-येस समतानी तीन लोग रहते हैं।
शामरपलाजा स्टेशन रोड, नामपली, हैदराबाद।
(अन्तरिक्त)

(2) श्री साईब पिता सीरमल सलानी घर न० 3-4-362 लीनगमपलनी, हैदराबाद (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

तीन मनजिला घर एक रुम—ऊपर की सतह में जिसकी वीस्टेन 377-49 वर्ग मीटर है, घर न० 2-4-1115 (पुराना) और नया न० 2-4-1115/2 और 3 काछीगुड़ा हैदराबाद में है, रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 272/77 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

क० एस० वेकट रामन
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० प८०—

(1) स्वास्थ्यक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 111-एम० डी० रास्ता, मिकन्दराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

स० आर० पी० सी० 117/77-78—यत मुझे को० एस० वेकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको स० 115, और 116 एम० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आहितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वास्थ्यक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 111-एम० डी० रास्ता, मिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीला एम० सनकलाम्या 18-ए० मनिक 11-नीपन रोड, बामवे-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्तादिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंवध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस गूचना के गजपत्र गे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि दा नमंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी शार्ध बाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के गजपत्र मे प्राप्ति की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पधारस्ताकरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ दागा जा उग अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय का न० 115 और 116। गवापर इन्ड्रालोक मे है, 111-एम० जिनी देवी रास्ता मे है। मिकन्दराबाद रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज न० 233/77 आ रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद मे।

के० एम० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० पृ० १८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिसांक 13 अक्टूबर, 1977

स० आर० पी० गी० 118/77-78—यत मुझे क० ए० स०
वेकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० न० 208, 209, और 217, है, जो ए० स० डी०
रास्ता में स्थित हैं (यीँ इसमें उपावड अनुगृहीत में और पूर्ण रूप
में वर्णित हैं), रजिस्ट्रेशन अधिनियम के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908. (1908 का 16)
के अधीन 15-३-७७को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच तेसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, ग्रीन/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) स्वामिन कल्पकशन कम्पनी 111-ए० स० डी०
रास्ता सिकन्दराबाद में।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० स० रमादेवी, घर न० 6-3-1186
बैगमण्ड, हैदराबाद।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्या—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास निवित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 208, 209, और 217 -मजीलपर
इन्डिलोक मे-111 ए० स० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में। रजिस्ट्री
की गई है। दस्तावेज न० 252/77 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।क० ए० स० वेकट रामन
संक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख: 13-10-77
मोहर :

प्रस्तुति आई ० टी ० एन ० एस ०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 13 अक्टूबर, 1977

म ० आर ० ए ० सी ० 119/77-78—यत. मुझे के० एस ० बैंकट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स ० 8/89, और 8/90 है, जो अवलाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन 28-2-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यर्थातः :—

6—306GI/76

(1) श्रीमती सी० गगाबाई पत्नी बी० रामन, 3/4 इंस्टमारेडपल्नी, किसन्दराबाद में। इ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चोदे विजयालक्ष्मी पति सी० बालाकृष्ण घर नं० 11-50/8 मेम कालोनी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के सबौद्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमङ्गल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमापित हैं, वहीं प्रथम होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोमंजिला घर नं० 8/89 और 8/90 विस्तारी 230 वर्ग याडे, सर्वे नं० 182 प्लाट नं० 10 अलवाल ग्राम पचास त सिकन्दराबाद में हैं, रजिस्ट्री की गई हैं। दस्तावेज नं० 385/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-10-1977

माझर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अक्टूबर, 1977

निवेश न० आरा० ए० सी० न० 120/ 77-78—यतः, मुझे
एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व्य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 8/87 और 8/88 है, जो अलवाल में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गगावाई पर्णी बी० रामन 3/4 ईस्ट
मारेडपेल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री वनेमरेड्डी राममोहनराओ (2) बी० एस० एन०
दुर्गप्रसाद पिता के द्वारा, श्री बी० राममोहनराव
घर न० 1-नौरम कालोनी, तिरमलगिरि, सिकन्दरा-
बाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 8/87 और 8/88 दो मंजिला घर 240 वर्ग
गज पर है, सर्वे न० 182 प्लाट न० 10 अलवाल ग्राम पंचायत
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गई है। इस्तावेज न० 384/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद बेस्ट में।

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख : 13-10-1977
मोहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०

(1) मणिकर्णकवाचगम आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० 31/फेब/77 यत मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

ग्रीर जिमकी स० 673/2 है, जो अप्ली यूलूफुलम वडकुमलै गाव में
स्थित है (और इस 9 उपावङ्ग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोडिनायट्स्टर (पत्र
सं० 141/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुर जिला, वडकुमलै गाव सर्वे सं० 673/2 में 12.67 एकड़ खेती की भूमि (और आदि)।

जी० राम नाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 12-10-77
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

निर्देश स० 32/फिब्रुवरी/77—यतः, मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी एस० स० 217 है, जो कीलकरै में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कीलकरै (पत्र सं० 139/77) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के
अधीन 14-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री अब्दुल कादर आदि

(अन्तरक)

(2) कुमारी थेका अहमद नुविलु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रामनाथपुरम जिला, कीलकरै गांव एस० स० 217 में
4.40 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 12-10-77

मोहर:

प्रालूप आई० टी० एन० एम०————

(1) श्री पी० टी० सुश्रमणिय मुदलियार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नीलाम्बाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अक्तूबर 1977

निदेश सं 38/एफ० ई० वी०/77—यतः, मुझे जी०
रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो चेट्टी तागम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूसी (पत्र सं 133/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भर्तार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर, वा पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्त अर्काट जिला, चेट्टीतागल गाव मे 5 एकार 63 सेन्ट खेती की भूमि (पत्र सं 133/77)।

जी० रामनातन
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-10-77

मोहर :

प्रस्तुति श्रीईटी० एन० एस०---

(1) श्रीमती कलपहाम्बाल और आदी

(अन्तरका)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सेगोड गड्ढर

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, विनाक 12 अक्टूबर 1977

निवेश म० 39/एफ० ई० बी०/77-यत, मुझे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० 146/1, 4 और 2 हैं, जो रामीपुरम में स्थित हैं (अंग इसमें उपावड़ में श्रींग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रामीपुरम (पव म० 230/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, लिपाने से सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ ती उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ॥—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मेलम जिला, रामीपुरम गाव एस० स० 146/1 (3.41 एकर), 146/4 (1 16 एकर) और 146/2 (0 04 एकर) में 4 61 एकर खेती की भूमि।

जी० रामानाथन
मध्यम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास ।

तारीख 12-10-77

मौहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

निवेश स० 16/एफ० ई० बी०/77—यत्, मुझे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 67 प० और 67 वी है, जो दिन्डुकल रोड पलनि में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पलनि (पत्र स० 71/1977) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पलनिसामि चेटिपार और आदि।

(अन्तरक)

2. श्री वी० रामलिङ्गम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीष्म पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलनि, दिन्डुकल रोड डोर स० 67ए और 67 वी (ग्राम० एस० स० 60/1बी और 60/1ए) में 111 मेन्ट की भूमि (मकान के माथ)।

जी० रामनाथन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 7-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री एस० रामसामि (अन्तरक)

2. श्रीमती एन० प० कल्याणी अच्छी और आदि
(अन्तरिती)

3. डि भाउथ इंडिया बैंक लिमिटेड,

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

निदेश सं० 17/एफ० ई० बी०/77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो चतुम स्ट्रीट दिन्डुकल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिन्डुकल (पत्र सं० 22/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों पर्याप्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्त के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अजन्त के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्डुकल, चतुम स्ट्रीट डोर सं० 5 (टी० एस० सं० 205) में 2683 एक्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 7-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 448—यतः, मुझे, एन० के०
नागराजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/बलाक 1 है, जो तेनालि में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-306GI/77

1. श्री पी० सुब्रह्मन्यम् (2) पी० सत्यनारायण शास्त्री
कोत्तपेटा, तेनालि । (अन्तरक)

2 श्री पी० दक्षिणा मूर्ती, कोत्तपेटा, तेनालि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 164/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 449—यत मुझे, एन० के०
नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/वलाक न० 1 है, जो तेनालि में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी भाय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दृश्यत्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
अप्लाई (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० मुन्द्रा सिवुडु (2) श्रीमती पी० स्वराज्य
लक्ष्मी (3) कुमारी पी० वसंता (4) पी० नीरजा
(5) पी० अनता कोत्तापेटा, तेनालि।
(अन्तरक)

2. श्री पी० दक्षिणामूर्ति, कोत्तापेटा तेनालि।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रधानीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाश्चिम अत 15-2-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 269/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा।

तारीख : 3-10-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० 450—यतः मुझे एन० के०
नागराजनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5/बलाक नं० 1 है, जो तेनालि में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनालि में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 [(1908 का 16) के अधीन 2-2-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री पी० वेकटागोपालाकृष्ण, कोत्तपेटा, तेनाली
(अन्तरक)

2. श्री पी० दक्षिणामृत, कोत्तपेटा, तेनाली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।**प्रब्लैकरेज** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

तेनालि रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 171/77 में निर्मित अनुसूची संपत्ति ।एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्ररूप प्राईंट टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

मं० आर० ए० सी० 451—यत्, मुझे, एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरगतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमों करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या प्रनं प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) अद्वीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात् :—

1. श्री जी० श्रीनिवास, हैदराबाद (अन्तरक)
 2. पेपर इंजीनियरिंग सर्विसेस (पी०) लिमिटेड, विजयवाड़ा (अन्तरिती)
 4. श्री जी० आर० सस्ती, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाठिया अत 15-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 381/77 में निगमित अनुमूल्य सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रमुख प्राईंस टी० एन० एस० ——

1. श्री पी० बेकटा मुलली कृष्ण, हैदराबाद ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० सी० 452—यत., मुझे, एन० के०,
नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 5/84 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. पेपर इंजीनियरिंग सर्विसेस (पी०) लिमिटेड विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

4. श्री जी० आर० शास्त्री

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भमास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77
में पजीकृत दस्तावेज न० 132/77 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 453—यत्. मुझे, एन० के०
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 5/84 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

1-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० वेकटारामाराव, हैदराबाद (अन्तरक)

2. पेपर हंजीनियरिंग सर्विसेस, (पी०) लिमिटेड
विजयवाडा। (अन्तरिती)

4. श्री जी० आर० शास्त्री, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्भधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रश्नाएँ में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० : 133/77 निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एम०---

1. श्री अंबति जगन्नाथम, राजमन्डी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कें ए० के० दक्षिणामूर्ति, राजमन्डी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

(अन्तरिती)

सं० नं० 454—यत्. मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 24/193, 46-7-7 है, जो राजमन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तमों, अर्जतः —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तमों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तमों में से किसी अविक्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखित आ सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 282/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 3 अक्टूबर 1977

नं० 455—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 26-29-77 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एम० लक्ष्ममा, मद्रास । (अन्तरक)

(2) श्री एम० नारायणगाथ, विजयवाडा (1) आच
मैनेजर, इन्डियन बैंक (2) आच मैनेजर, करोना
साह स्टोरस, विजयवाडा (3) आच मैनेजर,
स्वास्थ्यक रब्बर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में पथा परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-2-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० : 142/77 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 3-10-77

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर, 77

सं० 456 :—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० भे अधिक है।

और जिसकी सं० 126/2 है, जो राजमनडी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, राजमनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—
8—306GI/77

(1) श्रीमती हमीन्हीसा बेगम साहेबा राजमनडी
(अन्तरक)

(2) श्री गोरेला मन्यामिराय राजमनडी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्यावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमनडी रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 28-2-77 में पंजीकृत दस्तावेज न० 574/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० ८५०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निदेश सं० 457—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 126/2 है, जो राजमन्डी में स्थित है (और इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वे अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

(1) श्रीमती हर्मीशमीसा बेगम साहेबा, राजमन्डी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० वेकट सत्य मोहिनी कुण्डा कुमारी, राजमन्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 28-2-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 575/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77

मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

(1) श्रीमती हमीरन्नीसा बेगम साहृदा, राजमनडी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चलुमाल बेकटेस्वराराव, राजमनडी।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निर्वेश सं 458 —यत्, मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं 126/2 है, जो राजमनडी में स्थित है (और इससे उपाबूष्ठ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमनडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य ग्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमनडी रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अस 28-2-77 में पजीकृत दस्तावेज नं 576/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 5-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 15 अक्टूबर 1977

निर्देश मं० 54/77-78/ आई० ए० सी० (ए०/आर०)/
भुवनेश्वर—यत्, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो आद्याणी टरग में
स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानपोस में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि धथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के साथित में कभी करने या उससे बचते में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सत्यनारायण अग्रवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री छबिल चन्द बसल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन आद्याणी टरग मौजा, रघुनाथपाली थाना और सुन्दरगढ़
जिला में स्थित है। वह जमिन पानपोस मधरेजिस्ट्रार आफिस में
21-1-77 तारीख में रेजिस्ट्रार हुआ, जिसके डाकुमेट नं० 63
है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र¹
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख . 15-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 प्रकृत्युवर 1977

निर्देश मं० आय० ए० सी०/अर्जन/47/77-78 ---
यत् मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी मं० 5.85 एकड़ जमीन खसरा नं० 102 है तथा
जो मौजा धाबा त० जि० नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 3-2-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों) के
धीर तेंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1)के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री नरेश डी० शेदामे, धाबा त० जिल० नागपुर,
2. श्री रामभाऊ नरेशी शेदामे, धाबा त० जि० नागपुर, 3. श्रीमति तुलसाबाई मोतीराम भागरे,
धुइखेड़, त० काटो० जि० नागपुर, 4. श्रीमति
गंगाबाई वासुदेव चिकनकर, धाबा त० जि० नागपुर,
5. श्रीमती लीलाबाई रामाजी भोरे, उनाडी त०
सावनेर जि० नागपुर, 6. श्रीमती बनाबाई एस०
राव, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. प्रकाश इस्टीट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग, चदन बाजार, ट्रस्टी :
देवीदास रामकृष्ण बोरकर, वाढी त० जि० नागपुर :
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5.85 एकड़ जमीन, खसरा नं० 102 मौजा धाबा त०
जि० नागपुर ।

एच० सी० श्रीवास्तवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 10-10-77

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर
नागपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निर्देश म० आय० ए० भी० / अर्जन / 46/77-78 — यत,
मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० न्लाइन 51-ए० है तथा जो गोकुल
पेठ, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पुर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, नागपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-2-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्त्ततः:—

(1) मेसर्स गजानन कस्ट्रॉशन कंपनी, गोकुल पेठ, नागपुर
(अन्तरक)
(2) डा० रमेश भाऊराव बकाने, मार्फत फेन्नेस कानली
जनरल हास्पीटल R/o जेम्स टाउन, टीन
38566 यू० एस० ए०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
धाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मुसूची

नागपुर सुधार प्रन्यास प्लाट नं० 51-ए०, सिंधील स्टेशन
एक्सटेंशन स्कीम, गोकुल पेठ, नागपुर ।

एच० सी० श्रीवास्तव
सकम प्राविकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 10-10-77

मोहर :

प्रख्युप प्राई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती अजली राय चौधुरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) डॉक्टर श्रीमती कलाना कुण्डमूर्ती।

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

निवेश सं 53/77-78/प्राई० ए० सी० (ए०/आर०)/
बी०ओ०एस०आर० :—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है,

और जिसकी मं ० है, जो सहदेव खुन्टा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बालेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-1-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन और मकान मौजा-सहदेव खुन्टा, सुनाहाट, जिला-
बालेश्वर में स्थित है। वह जमीन बालेश्वर सब-रजिस्ट्रार
आफिस में 17-1-77 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ; जिसका डाकुमेंट
नं० 159 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

प्रतः द्वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख 18-10-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निदेश सं० आर०/197 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/4090—
श्रत मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये में अधिक है,

और जिसकी सं० 412 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेख मोहम्मद मुर्जिम पुत्र शेख गुलाब सावरी,
शेख मो० ताहर पुत्र शेख मो० यासीन लाल कुर्ता
मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री नवयुग सहकारी भरम निर्माण समिति लि०
द्वारा अध्यक्ष गौतम शर्मा पुत्र तारा चन्द बुम्हपुरी
मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3 बिस्ता पुख्ता पाम प्रभात
नगर, साकेत के पीछे मेरठ 1,04,340) के विक्रय मूल्य में बेची
गयी।

आर० पी० भार्गव

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 19-10-1977

मोहर :

उच्च शाई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 प्रकृतूबर 1977

निदेश न० टी० एन०/199 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/
4091—आत् मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी न० 440 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नारीख 1-2-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से नूपर के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
9—306GI/77

(1) श्री शेख मुहीबुद्दीन पुत्र शेख गयासुद्दीन अजमलउद्दीन
पुत्र जमीलुद्दीन मावरी न० नाल कुर्ती मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री नवयुग महकारी गृह निर्माण समिति न० द्वारा
श्री गौतम शर्मा पुत्र श्री नाराचन्द्र ब्रह्मपुरी मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति कृपि भूमि 1 बीघा 2 बिस्वांसी
पुछना पास प्रभातनगर, साकेत के पीछे मेरठ 1,04,115 रु० के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 19-10-77
मोहर.

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निदेश म० 334/अर्जेन/क्य०/कानपुर/77-78/4092—

अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 383 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विणम्भर दयाल गुराना पुत्र श्री मूल चन्द गुप्ता निं० 51/30 नौवड़ा जानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल, गमाशकर, मोनी लाल, गेंध पाल और हजारी लाल पुत्र श्री सुरजदीन निं० 103/142 कर्नल गज कानपुर।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट न० 6 ब्लाक टी गुरेया स्कीम न० 7 हर्षनगर कानपुर 45000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जेन रेज, कानपुर

तारीख : 19-10-1977

मोहर

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एम०—

*कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

नदेश स० टी० आर०/194ा/अर्जन/मेरठ/77-78/4093—
उमे आर० पी० भार्गव,

र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके
त्रु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वं के
1। सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि
र सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
पर है

जिसकी स० 330 है तथा जो मेरठ मे स्थित है (ओर
उपावद्ध अनुमूली मे और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता
कारी के कार्यालय मेरठ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
18 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-77
के सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने
का राजन है कि यथापूर्वोंभत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक स्पष्ट से
प्रत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनु-
रण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : -

(1) श्री शेख गुलाम मो० शाही पुत्र शेख मो० बजीर,
शेख मो० यामीन पुत्र शेख मो० बजीर शेख जमीलुद्दीन
सावरी पुत्र मैया शेख मुज़कर लाल कुर्नी, मेरठ।
(अन्तरक)

(2) नवदुग महकारी गृह निर्माण समिति नि० द्वारा
अध्यक्ष श्री गौतम शर्मा पुत्र नारा चन्द्र बहापुरी,
मेरठ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंभत सपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सबैदी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंभत व्यक्तियों
मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे
परिभायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
मे दिया गया है।

अनुमूली

प्रचल ममति भूमि 1 बीघा 3 बिम्बा 4 विस्त्रासी पुज्जा पास
प्रभातनगर, सर्कल के पीछे मेरठ 1,05,247 50 पैसे के विक्रय
मूल्य मे बेची गयी।

ग्राम पी. भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 19-10-1977
मोहर.

संघ लोक सेवा आयोग

रेलवे और आयध कारबाना चिकित्सा सेवा के अधीन

चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए

सम्मिलित परीक्षा (1978)

नोटिस

नई विली, दिनांक 20 अक्टूबर 1977

मा० का० 14/3/77-पा० १ (व) ——संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रेलवे और आयध कारबाना चिकित्सा सेवा के अधीन निम्नलिखित ग्रुप 'क' के चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए 14 मार्च 1978 को एक सम्मिलित परीक्षा आयोजित की जाएगी ।

- (i) रेलवे में महायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी—संगभग 75 रिक्तियाँ ।
- (ii) आयध कारबाना चिकित्सा सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद—संगभग 43 रिक्तियाँ ।

*रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है ।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरंभित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई हो भी, सरकारद्वारा निर्धारित की जाएगी ।

ध्यान दे — उम्मीदवार जिन पदों पर वरीयता-क्रम में विचार किए जाने के इच्छुक हो उनका अपने आवेदनों में स्पष्ट उल्लेख करे । जिन पदों पर वे विचार किए जाने के इच्छुक हों उनके बारे में लिदिष्ट वरीयता क्रम में परिवर्तन करने के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

2 परीक्षा-केन्द्र ——ग्रहमदावाद, इलाहाबाद, बगलौर, भोपाल, अमरपुर, कलकत्ता, घड़ोगढ़, कटक, विल्लो, दिमपुर (गोदाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, झज्जूर, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग और तिरैन्द्रम् ।

प्रत्यक्षा की शर्तें —

(क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iv) ऐना तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो,
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, थोलका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगाड़ा तथा संयुक्त गणराज्य तजानिया, जॉबिया, मलाकी, जेरे, सथा इथियोपिया से प्रवान न कर आया हो ।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (i), (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो ।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा ।

(द्व) आय-मीमा ——पहली जनवरी, 1978 को 30 वर्ष से कम ।

किन्तु 1978 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए आयु सी वर्ष नक की छूट दी जा सकती है ।

अधिकतम आयु-सी या देशमिलित विद्युतियों में और जामकती है ।

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या जन-जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्षे तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (प्रबद्ध) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जून 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के द्वारा कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकारी अनुसूचित का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 जून 1971 के बीच की अवधि के द्वारा भूतपूर्व पूर्वी पार्सीब्रह्म बगला देश) से प्रवान न कर आया वास्तविक विस्थित हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकारी अनुसूचित का हो और वह 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद से वस्तुत प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकारी अनुसूचित का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 के भारत और के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद से वस्तुत प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत भूलक व्यक्ति हो और वह, उगाड़ा, समूक गणराज्य तजानिया से प्रवान नहीं या वह जानिया, मलाकी, जेरे और इथियोपिया-वर्तित होकर आया हुआ भारत भूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद से वस्तुत प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अधिकारी अनुसूचित का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को के बाद, बर्मा से वस्तुत प्रत्यावर्तित होकर भारत में शा मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक कीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संवर्धा आशातिग्रस्त थेत में फौजी कार्रवाई के द्वारा विक्र तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मृत हुए हो और उसके उपर्युक्त हुए हो,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक कीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संवर्धा आशातिग्रस्त थेत में फौजी कार्रवाई के द्वारा विक्र तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मृत हुए हो और उसके उपर्युक्त हुए हो,
- (xi) सीमा मुख्य देश के पेंगे उपर्युक्तियों के मामले के मामले में अधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 से ताजा पाकिस्तान संघर्ष में विकलाग हुए और उसके परिणाम निर्मृत हुए हो, और

(xii) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक श्राठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलाग हुए, और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुभूचित जातियों और अनुभूचित जन जातियों के हों।

उपर्युक्त व्यवस्था का स्पोडकर निर्धारित आय मीमा से किसी भी स्थिति में छूट नहीं दा जाएगा।

(g) सीधिक योग्यता —इस परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार ने फाइल एम० बी०, बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग 19 दिसम्बर, 1977 को या उससे पहले उत्तीर्ण कर दिए हों।

नोट 1 —ऐसे उम्मीदवार जिन्हें अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करनी है, वे भी सीधिक दाप्ट से इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र हैं। किन्तु यद्यन हीं जाने के बाद उनकी नियुक्ति अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी कर लेने के बाद ही की जाएगी।

नोट 2 —जिन उम्मीदवारों की फाइल एम० बी०, बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भाग का परिणाम घोषित नहीं हुआ हो और जिन उम्मीदवारों को अभी इन परीक्षाओं में बैठना हो वे हम परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

4 आवेदन-पत्र के साथ देय शुल्क —रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुभूचित जन जातियों के लिए रु 7.00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ध्यान दे —एक बार अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा और नहीं उसे किसी अन्य परीक्षा या योग्यता के लिए आग्रहित रखा जाएगा।

5 आवेदन कैसे किया जाए —केवल रेलवे और भायुध कारखाना विकास संघ के अधीन विकिस्ता पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1978) हेतु निर्धारित प्रवेश में छोड़े हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नीटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-पत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं —

(1) दो रुपए का मनीश्वार्डर या सघ लोक सेवा आयोग के सचिव, को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर भेज कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।

(ii) दो रुपए नकद तेकर आयोग के कार्यालय में काउंटर पर।

नोट —आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मागने के लिए किए जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 12 विसम्बर, 1977 के पहले पहच जाने चाहिए। परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर मागने वालों को 19 दिसम्बर, 1977 तक मिल सकते हैं।

सभी उम्मीदवारों को, जहां वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले आयोगिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या पैर-सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। यगर किसी उम्मीदवार से प्रपत्रा आवेदन-पत्र अपने तियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सघ लोक सेवा आयोग में देख से पढ़ा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आविरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैं सियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों।

जिनमे आक्रमिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अनित्य रूप में प्रवेश पाने के पहले प्रपत्रे कार्यालय, विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अन्त में सलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियोगी निकालकर, आयोग को सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियोगों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को हस्तानुरोध के साथ प्रस्तुत करे कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और हर हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

6 आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अन्तिम तारीख —

(i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 19 दिसम्बर, 1977।

(ii) विदेश में या अड्मिनिस्ट्रेशन और निकोबार द्वीपमण्डल या लकड़ीपांच में रहने वाले उम्मीदवारों से 2 जनवरी, 1978।

7 प्रनेष्ठ, जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हो।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा —

(1) रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुभूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00) का शुल्क जो सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर के रूप में हो या सचिव, सघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे उम देश में भारत के उच्च आयुक्त या राजदूत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करे जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेज दे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र —आयोग समान्यत जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां के मैट्रिक्युलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्दरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अधिग्राहणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैक्टिप्रक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अधिग्राहणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उम संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिग्राहणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उम संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन मामलों में यथा निर्धारित आयु का दूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह सीधतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिक्युलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक के परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख में भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 —जिस उम्मीदवार के पास पहाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विज्ञालय छाहने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आय से सम्बद्ध प्रतिष्ठित आने पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 —उम्मीदवारों को व्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जग्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उनके स्वीकृत हो जाने के बावजूद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति भासान्तर नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र —उम्मीदवारों को किसी प्राचिकरण (श्रधारित विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए 19 दिसंबर 1977 अधिनियम आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अनियम तारीख को या उससे पहले एम० बी० एम० एम० परीक्षा पास कर ली है।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 8 मी० मी० × 7 मी० मी०) के फोटो की एक जैसी वा प्रतिया जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विद्युत अकित हो।

(क्र) अनसूचित जातियों/अनसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों हारा —
अनसूचित जाति/अनसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके भता-पिता (या जीवित माता या पिता भाइ तौर पर रहने हों, उग जिसे किसी सभव (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से परिषिष्ट 1 में लिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) आय में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों हारा —

(1) —पैरा 3 (ख) (ii) या 3 (ख) (iii) के अधीन शुल्क भूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) से विस्थापित व्यक्तियों को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) से आया हुआ वास्तविक विद्यालय व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवर्जन कर भारत आया है। —

(1) बड़कारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों परीक्षा विभिन्न राज्यों में स्थित राज्यन विविरों के केंद्र कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) अपने-अपने जिलों में शारणार्थी पुनर्वास के प्रधारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) स्वर्य प्रभारित पथ द्विजन का सब द्विजनल सफर।

(5) उप-शासनीय-पुनर्वास-प्रायुक्ति, परिषम अंगल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ii) पैरा 3 (ख) (iv) प्रथवा 3 (ख) (v) के अधीन आय में छूट का दावा करने वाले श्रीलका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलत भारतीय व्यक्तियों को श्रीलका से भारत के उच्च आयकृत के कार्यालय से लिए गए इस आयोग के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवर्जन कर भारत आया है या आने वाला है।

(iii) पैरा 3 (ख) (vi) के अन्तर्गत आय में छूट छाहने वाले कीनिया, उगोड़ा तथा मयुक्त गणराज्य टजानिया से प्रवर्जन कर आए या जाम्बिया, मलार्बी, जेरे, और इयियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह हम समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव से उपर्युक्त देशों से प्रवर्जन कर आया है।

(iv) पैरा 3 (ख) (vii) प्रथवा 3 (ख) (viii) के अन्तर्गत आय में छूट छाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्तियों को भारतीय राजद्रवादाम, सून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र का एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बावजूद भारत आया है अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बावजूद प्रवर्जन कर भारत आया है।

(v) पैरा 3 (ख) (ix) प्रथवा 3 (ख) (x) के अन्तर्गत आय में छूट छाहने वाले उम्मीदवारों को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है महानिवेशक पुनर्धारण, रक्षा मकालाय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र नेकर उम्भी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ सघर्ष में प्रवाह अशानिग्रन्थ थेव में फौजी कार्रवाई के बीच विकलाग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण-पत्र वा फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट
के रैक न०

श्री रक्षा सेवाओं से कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ सघर्ष के दौरान* अशानिग्रन्थ थेव में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग हुआ और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदानाम

दिनांक

*जो शब्द साधू नहीं, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 3 (ख) (xi) प्रथवा 3 (ख) (xii) के अन्तर्गत आय में छूट छाहने वाले उम्मीदवारों को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है, महानिवेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक सघर्ष के दौरान विकलाग हुआ और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म —

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

रैक न० श्री

सीमा सुरक्षा दल से कार्य करते हुए, मन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता सघर्ष के दौरान विकलाग हुए और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदानाम

दारीख

ध्यान दें — उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि यह आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 7 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक मलग न होगा और उसे न भेजते का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा सो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और हम अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

९ आवेदन प्राप्ति की सूचना —इस परीक्षा के लिए निर्वाचित फार्म में मिथे यथो आवेदन के पहुँचने को सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुँचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुँचने की अनिम तारीख में एक महीने के अन्दर न मिथे तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तकनीक आयोग से संपर्क करना चाहिए।

१० आवेदन का परिणाम —अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना नहीं होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग में प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग में तकनीक आयोग करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार में वित्त हो जाएगा।

११ परीक्षा में प्रवेश —किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपालता के संबंध में संघ लोक में आयोग का निर्णय अनिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

१२ कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई —उम्मीदवारों को अनावश्यक दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवारों को यह भी जेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रायालित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत से वे किसी तरह का मशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करे और न फेर बदल किए गए/गए हों, प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रायालित/प्रमाणित प्रतिलिपि में कोई असूचित या असतति हो तो उनको हस असतति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी है या दोषी घोषित हो चुका है —

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने रथान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या
- (iv) जानी प्रलेख या प्रेरणाल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रायालित/प्रमाणित प्रतिलिपि में कोई असूचित या असतति हो तो उनको हस असतति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।
- (v) अपूर्व या अमत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को हिप्पकर रखना, या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना, या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (viii) उनके पुस्तिकारों पर असतत बातें लिखी हो जो अपनी भाषा या अधिक भाषा की हो, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार करना, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, या
- (xi) उपर के छहों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उक्तमात्रा हो तो उस पर आपागाधिक अभियोग चलाया जा सकता है और मात्र ही
- (k) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य घोषित कराया जा सकता है अथवा
- (l) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए (ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन

किसी नियुक्ति के लिए, स्थायी स्वर में या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवाहित किया जा सकता है, और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो सो उचित नियमबंदी के अनुसार अनुषासनिक कार्रवाई का पाल होगा।

१३ मन प्रमाण-पत्र-प्रस्तुतीकरण —उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपयोग पत्र ७ म डाल्साल्ट प्रमाण-पत्रों की केबल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रायालित हो अथवा अन्य उम्मीदवारों द्वारा मही प्रमाणित हो। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रवेशित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

१४ परीक्षा की योजना —इस परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र में लिखित परीक्षा लो जागांगा जिसमें (1) निम्नलिखित विषयों पर वस्तु-पूरक प्रश्न पूछे जायें, (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, ब्रह्म विज्ञान सहित मर्जी (ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य-आयुर्विज्ञान (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित नियोजक अधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य, और (iv) प्रसूनि विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान, प्रश्न-पत्र तीन छटे का होगा और (2) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में प्रदूषित प्राप्त कर लेंगे उनका अधिकारण परीक्षण किया जागांगा जिसके समाप्त अक्ष होगे।

१५ नोट —परीक्षा का स्वरूप, प्रश्नों के नमूने और उनका वर्णन के नमूने से संबंध व्यवर्त उम्मीदवार-सूचना-पुस्तिका में परिषिष्ट II पर लिए गए हैं।

१६ जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विज्ञान से निर्धारित स्वनाम अर्हक अक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु माधात्कार के लिए बुलाया जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जानियों या अनुसूचित जन जानियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट बैकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु माधात्कार के लिए बुला सकता है।

१७ व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला माधात्कार लिखित परीक्षा के अनुप्रूप के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और धर्मसा की परीक्षा करना होता है और साथ यैवा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है, उम्मीदवारों की वैदिक जिज्ञासा, सभीकार्यक सूक्ष्म वूम की शक्ति, सुतुलित विवेचनशीलता, मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामजिक स्वत्त्व की क्षमता, चारित्रिक स्वर्णिता, स्वन प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

१८. माधात्कार के बाद प्रथेक उम्मीदवार को कुल मिलाकर प्राप्त अको के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के अक से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही सौंदर्यों की उसी अक से नियुक्ति के लिए अनुशसित किया जाता है जितनी आरक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आवश्यित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के आधार पर जिनमी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उसमें के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुसूचित किया जा सकता है बजाएँ कि परीक्षा में उनकी योग्यता के क्रम से तिरक्षरूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के थोग्य हों।

16. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के संबंध में आयोग उनके साथ कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

17. नोटिस की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताएँ गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

18. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने विवित और पूर्ववृत्त के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये मर्विया उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेरीटिंग हस्टन-शिप सफलतापूर्वक पूरी कर नेते के संबंध में नियुक्ति-प्राप्तिकारी संतुष्ट हों।

19. उम्मीदवार को भन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक मिल हो सके। सरकार या नियोक्त प्राप्तिकारी जैसी भी स्थिति होने, द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार हन अपेक्षाओं की पूर्ण नहीं कर पाता है उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किए गए सभी उम्मीदवारों को रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास व्यक्तित्व परीक्षण भी तारीख के बाद किसी कार्य दिवस पर शारीरिक परीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

20. कोई भी व्यक्ति —

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक संबंध बना नेता है या इस संबंध में कोई करार कर नेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है, या
- (ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक संबंध बना नेता है या इस संबंध में कोई करार कर नेता है,

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात में संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से भवद दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के भी भी आधार भीजूद हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

21. आवेदन-पत्र से सबद्ध पत्र-व्यवहार — आवेदन पत्र से संबद्ध सभी पत्र व्यवहार संविधान, सध लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए —

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा नाम बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पत्ता।

ध्यान दे — जिन पदों में उपर्युक्त व्यौरा नहीं होगा, सभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

22. पते में परिवर्तन — उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर नेती चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 21 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर रहता।

23. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिणाम III में दिए गए हैं।

आरो एस० गोयल
उप सचिव

परिणाम I

भारत सरकार के अधीन परों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रयोग-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

मुपुत्र/मुपुत्री* श्री

जो गौवि/कस्त्वा*

जिला/मण्डल*

राज्य/संघ* राज्य भेजे के/की* है, जिसे निवासी है,

जाति/जन जाति* के/की* है, जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (सध राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (सध राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूची (आधोरन) आवेदन, 1956, बम्बई पुनर्गठन प्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन प्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदीप भेज (पुनर्गठन) प्रधिनियम, 1971 द्वारा यथा सशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956।

संविधान (झड़मान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1959।

संविधान (झड़मान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जाति-जातियां आदेश, 1962।

संविधान (दावरा और नागर हवेली) (अनुसूचित जातियां) आदेश 1962।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968।

संविधान (नागरालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।

2 श्री/श्रीमती/कुमारी*	परीक्षा का स्वरूप
श्रीगंगा* उनका परिवारः आम तौर से गाय/कम्बा*	प्रश्न-पुस्तिका में जटिल से प्रश्न छोड़ देंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्या और 4 या 5 सभाध्य उत्तर छोड़ देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा।
मरुल*	उत्तर देने की विधि
सध*	प्रश्नों के लिए वैकल्पिक उत्तर '1', '2', '3', '4', आदि के रूप में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्या और 4 सभाध्य उत्तर छोड़ देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा।
सध/रहती* है।	उत्तर देने की विधि
स्थान—	प्रश्नों के लिए वैकल्पिक उत्तर '1', '2', '3', '4', आदि के रूप में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्या और 4 सभाध्य उत्तर छोड़ देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा।
तारीख—	उत्तर देने की विधि
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र	प्रश्नों के लिए वैकल्पिक उत्तर '1', '2', '3', '4', आदि के रूप में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्या और 4 सभाध्य उत्तर छोड़ देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा।

*जो एवं नागू न हो, उन्हें कृपया काट दे।

चौट —यहाँ “आप तौर से रहते/रहती हैं” शब्दों का अर्थ वही होगा। ॥ रिप्रेजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**जानि/जन जानि प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सधाम अधिकारी।

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/अनिलिकन जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर डिप्टी कमिशनर/टैक्सी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइलेण्डरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/मध्य विविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्सीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा आमिस्ट्रेट कमिशनर।
- †(प्रथम श्रेणी के स्टाइलेण्डरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहवे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐश्वीजनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफमर जिमका ओहदा नहीं लदार से कम न हो।
- (iv) उम्हाके का मध्य-डिवीजनल अफमर जहाँ उम्हीदवार और/या उम्हका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (v) ऐश्विनिस्ट्रेटर/ऐश्विनिस्ट्रेटर का सचिव/डिप्लोमेट्र अफमर (लक्ष्मीगी)।

परिणिष्ठ II

उम्हीदवार-सूचना-पुस्तिका

इस पुस्तिका का उद्देश्य आपको रीपक्षा के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देना है ताकि आपको परीक्षा के स्वरूप की जानकारी न होने के कारण कोई हानि न पहुँचे।

परीक्षा का समय 3 घण्टे का होगा। परीक्षा का स्तर इस प्रकार का होगा कि किसी भारतीय विश्वविद्यालय की एम० बी० एस० डिप्टी प्राप्त उम्हीदवार अधिकारी प्रश्नों का उत्तर दे सके। इसमें निम्नलिखित होंगे —

- (i) क० ना० क०, नेत्र विज्ञान, धृण विज्ञान और विकलांग विज्ञान महिला संस्कृति,
- ((ii) शिशुरोग विज्ञान महिला समाज आयुर्विज्ञान,
- (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन महिला निरोषक आयुर्विज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य, और
- (iv) प्रमूलि विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान।

परीक्षा का स्वरूप

परीक्षा ‘वस्तुपरक’ या ‘अहु विकल्प उत्तर’ प्रकार की होगी। प्रश्न-पुस्तिका में जटिल से प्रश्न छोड़ देंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्या और 4 या 5 सभाध्य उत्तर छोड़ देंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सर्वोत्तम उत्तर चुनना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक और केवल एक उत्तर होगा।

उत्तर देने की विधि

प्रश्नों के लिए वैकल्पिक उत्तर '1', '2', '3', '4', आदि के रूप में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको प्रलग से एक उत्तर-पत्रक दिया जाएगा। (इस पुस्तिका के अलंकार में उत्तर-पत्रक का नम्नान्वयित्व दिया गया है)। उत्तर-पत्रक के ऊपर प्रश्नों के लिए वैकल्पिक उत्तरों के लिए लिखा गया उत्तरों में कौन सा भी या सर्वोत्तम उत्तर है तब आप उत्तर के लिए निर्दिष्ट जगह में आपने जो उत्तर चुना है उसकी सख्त्य लिख दें (उदाहरण के लिए, नम्नान्वयित्व पत्रक पर देखिए)।

हृष्पया नोट कर ले कि आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए एक साथी उत्तर देना है। यदि आप किसी प्रश्न के लिए एक से अधिक उत्तर देते हैं तो उसके लिए आपको कोई अपक नहीं दिया जाएगा और आपके उत्तरों में से एक महीनी क्षेत्र न हो जाएगा। यदि आप गलत उत्तर देते हैं तो और आपना उत्तर बदलना चाहते हैं, तो गलत उत्तर को पूरा काट दीजिए, और आप साफ साफ सही उत्तर लिखिए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

- (i) आपको परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँच कर तुरन्त अपनी सीट पर बैठना होगा। यदि आप समय पर नहीं पहुँचते हैं तो सभव है कि आपको परीक्षा भवन में दिए जाने वाले कुछ अनुदेश सुनने का अवश्यर न मिले। प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर-पत्रक परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से कुछ पहले ही दिए जाएंगे ताकि आप उन अनुदेशों को पढ़ कर उत्तर-पत्रक पर आवश्यक विवरण ले गें। इसलिए जैसा उपर कहा गया है, अगर आप समय पर नहीं पहुँच पाते हैं तो संभव है कि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निर्धारित समय आपको पूरा न मिल पायें।
- (ii) परीक्षा आरम्भ होने के 30 मिनट बाद किसी को भी परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- (iii) परीक्षा आरम्भ होने के बाद 45 मिनट के पहले किसी को भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (iv) परीक्षा भवान में जिस उत्तर-पत्रक को सीधे दें। प्रश्न-पुस्तिका को परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। जो उम्हीदवार इस नियम का पालन नहीं करेंगे, वे दण्ड के पात्र होंगे।
- (v) उत्तर-पत्रक पर दिए गए उपयुक्त स्थान पर अपना अनुश्रुति, परीक्षा-फैद्र, प्रश्न-पुस्तिका का काइ नम्बर और क्रमिक साफ साफ लिखिए। उत्तर-पत्रक पर कहीं भी अपना नाम न लिखें।
- (vi) परीक्षा काई भागों में विभाजित हो सकती है और प्रत्येक भाग के लिए अलग से अनुदेश दिए जा सकते हैं। अतः प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर-पत्रक पर जो अनुदेश दिए गए हैं उन सबको आप सावधानी से पढ़ ले। चूंकि मूल्यांकन मशीन से किया जाता है। इसलिए अगर आप अनुदेशों का सावधानी से पालन नहीं करेंगे तो आपके नम्बर कम हो सकते हैं। उत्तर-पत्रक पर कोई भी प्रविष्टि संविधि हो तो उसके लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा।

पर्यवेक्षक के हारा दिए गए प्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक आपको किसी परीक्षा या परीक्षा के किसी खड़ को आरम्भ करने या समाप्त करने को कहे तो आपको उनके अनुदेशों का नुस्खा पालन करना होगा।

(vii) अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाये। साथ ही एक पैनिसल और नीली या एक काली स्थाही वाली कलम भी लाए। आपको कागज का कोई टुकड़ा या रही कागज, पैमाना या ब्राइग की मामधी परीक्षा भवत में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि उनकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कच्चे काम के लिए उनके पत्रक पर ही जगह दी गई है। उनके स्थाही से लिखिए, पैनिसल से नहीं।

कछु उपयोगी सकेत

यद्यपि इस परीक्षा में गति की अपेक्षा जुदा पर अधिक बल दिया जाना है, फिर भी आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप जहाँ तक समझ हो, कम से कम समय ले। आप लापरवाही के बिना और सतुरन के माथ जल्द से जल्द आगे बढ़े। यदि आप भर्ती प्रश्नों का उनके नहीं दे सकते हैं तो प्रश्नात न हो। जो प्रश्न आपको बहुत कठिन लगें, उन पर ज्ञादा समय न लगाए। बाकी प्रश्नों को वहाँ करें और कोठन प्रश्नों को बाहर में।

प्रथेक प्रश्न के लिए समाध्य उनके दिए गए हैं। इसलिए ही सकता है कि जिन प्रश्नों के उत्तर आपको ठीक-ठीक मालूम नहीं हैं, उनका अनुमान लगाने के लिए आप सोचते रह जाएं। पहले उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें जिनके बारे में आप निश्चित हों। यदि आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ नहीं जानते हैं तो उने खाली छोड़ देना ठीक रहेगा। ऐसे प्रश्नों को छोड़ने से आपको अकेले अकेले भिन्न जाएंगे बनिस्तन हमके कि आप शृंखला में अनुमान लगाने न जाएं। किन्तु जहाँ आप विवेकपूर्ण अनुमान लगाने भर की जानकारी रखते हों, वहाँ आप ऐसा कर सकते हैं।

ये प्रश्न आपकी जानकारी, सूक्ष्म-वृक्ष और विश्लेषिक योग्यता का अनुमान लगाने के लिए बनाए गए हैं, न कि याददाश्त का पता लगाने के लिए। यदि आप सगत विषयों को भरमधी निगह से देख रहे हों तो जानकारी होगा और आप आवश्यक हो जाएंगे कि आप सबसे विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

परिणिष्ठा II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन मेंवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं।

I रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान ₹ 700-40-900-₹ 700-40-1100-50-1250-₹ 70 रोप०-50-1600 (परियोगित वेतनमान) है। इसके प्रत्यावास समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिवधित प्रैक्टिस निवेद भरने भी लागें। फिलहाल ये दरे भाल हैं—

1—5 स्टेज	₹ 150—प्र० मा०
6—10 स्टेज	₹ 200—प्र० मा०
11—15 स्टेज	₹ 250—प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	₹ 300—प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिवधित या निपिढ़ करने होए समय-समय पर रेलवे सक्रालय या अन्य उच्चतर प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार मरकारी नौकरी में हो, उनको उपर्युक्त वेतनमान से नियमनुसार प्रारम्भिक वेतन दिया जाएगा। दूसरे नामों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(द्व) उम्मीदवार को दो माल की परियोगी पर नियुक्त किया जाएगा। प्रगत आवश्यक समझा जाए तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परियोगी नीं प्रविधि को तत्त्वाधिकार या में समाप्त करने पर वह अस्थायी हैमियत से उनको आगे बढ़ाया जाएगा।

(ग) परियोगी की अवधि में श्री उमर के बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान वोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बाद एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार प्रपत्रे पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे सक्रालय द्वारा नियांचित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेशन नियमों से नियन्त्रित होगा और राज्य रेलवे अधिक्षित नियम (गैर असदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस नियम का सदर्शन बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित श्रीर अपने स्वर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार नियांचित रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद वो माल के घंटर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमनुसार उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ता सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्य 45 वर्ष की आयु से जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(झ) जो बात ऊपर विविदित रूप में कही गई हैं उनमें श्रीर अन्य मालों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना सहित और समय-समय पर पारियोगिक/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(झ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रों/आपदायारों से नियुक्त किया जाएगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों की किसी भी रेलवे से स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(झ) उच्चतर श्रेष्ठों के वेतनमान श्रीर भरने महिल परोक्षरति की समावनाएँ—

महायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जो नियमित रूप से ग्रेड में नियुक्त होने के बाद पारंथव का सेवा काल समाप्त करते हैं श्रीर जिनके पास भारतीय मैटिकल काउन्सिल अधिकारियों 1956 की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में या तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंसिटीप योग्यता को छोड़कर) कोई चिकित्सा योग्यता हो [तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यता में यसने उम्मीदवारों को भारतीय मैटिकल काउन्सिल अधिनियम, 1956 की आयु 13(3) में नियांचित गती को भी पूरा करना होगा] प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में पर्वोक्ति के पात्र होने जिसका वेतनमान ₹ 1100-1800 (परियोगित) होगा और समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिवधित प्रैक्टिस निवेद भत्ता भी मिलेगा।

(इ) कर्तव्य और दायित्व—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

- (i) वह प्रतिविन और आवश्यक होने पर भीतरी वाहीं और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (ii) वह लागू नियमों के अनुसार उम्मीदवारों और मेंदारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (iii) वह अपने अधिकार भेज में परिवार नियोजन, लोक स्वारप्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह विशेषज्ञों की जाच करेगा।
- (v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सबड़ कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से सबधित विवरणिया और माम पन्न तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

नोट (1) — जब महा० प्र० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के प्रधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के भीतरी वाहीं में उसे महायता देना किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्यों और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2) — महा० प्र० चि० अ० को समय-गमय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II रक्त मकानलय के अस्तर्गत आयुष्म कारबाना स्वास्थ्य सेवा (अ० का० स्वा० से०) में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद—

(क) पब ग्रूप 'क' में अस्थायी है किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700—40—900—१० रो०—40—1100—50—1300 है तथा साथ में समय-गमय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिविन प्रेक्षित नियेध भना (प्र० नि० भ०)। इस समय दर निम्नलिखित है—

१—५ स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
६—१० स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
११ स्टेज से प्राप्ते	रु० 250/- प्रतिमास

(घ) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से वो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा। वह प्रत्यधि सम्भम प्राधिकारी की विभाग पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा प्रत्यधि सतोषजनक रूप से समाप्त करने पर उसे स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक अस्थायी हैमियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुष्म कारबाना अस्पताल या शोषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रेक्षित करना मना है।

(इ) परिवीक्षा की अवधि में और उसके बाव अस्थायी नियुक्ति के बीच बीनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवमर—

(I) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य मेवा०।

कर्तव्य वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान

के लिए पात्र होंगे। वेतनमान रु० 1100—50—1600 है तथा साथ में निम्न लिखित वरों पर प्रेक्षित नियेध भत्ता—

१—३ स्टेज	रु० 250/- प्रतिमास
४—५ स्टेज	रु० 300/- प्रतिमास
६—७ स्टेज	रु० 350/- प्रतिमास
८—९ स्टेज	रु० 400/- प्रतिमास
१०—११ स्टेज	रु० 450/- प्रतिमास

II सुपर टाइम ग्रेड-II—प्रधान चिकित्सा अधिकारी उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड II में प्रवोक्षित के लिए विचार किए जा सकते हैं। वेतनमान रु० 1500—60—1800—100—2000 है तथा रु० 600/- प्र० मा० की वर से प्र० नि० भ०।

III सुपर टाइम ग्रेड I—निदेशक स्वास्थ्य सेवा।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी प्रोग्र उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा 3 वर्ष की सेवा पूरी करने पर रु० 2250—125/2—2500 प्रतिमास तथा मास में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रेक्षित नियेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड I में नियुक्त के पात्र होंगे।

(छ) कार्य-स्वरूप—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी,

(i) वे प्रतिविन और आवश्यक होने पर अस्पताल के वाहीं के विभागों के प्रत्यक्ष रोगियों और शोषधालयों/बहिरुग विभागों के रोगियों को देखेंगे।

(ii) वे लागू नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करेंगे।

(iii) वे सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।

(iv) वे अपने अधिकार भेज में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के शोधोनिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

(v) वे अस्पताल प्रोग्र शोषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

(vi) वे नियमानुसार प्रधान चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी० छी० ओ० ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० भ० नि०/स्वा० से० उ० नि० के निर्देशन पर चिकित्सा सभी मध्ये विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी महायता करेंगा।

(ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनिक कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की महायता करेंगा।

(ग) समय समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।

(घ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से सबधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की महायता करेंगा।

(इ.) व०चि०ग्र०—व०चि०ग्र० 75 पलग वाले किसी कारबाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्वापना के प्रभारी होंगे।

(च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और प्रावश्यक अनुशासा कर्त्ता रहेंगे ।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे ।

(ज) वे किसी भविष्यि या सरकारी आदेश में निहित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे ।

(3) मुपर टाइप मेह II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी ।

(क) मुम्हालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उन के सभी कार्यों में उनकी महायता करेंगा ।

(ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी छट्ठी या दौरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेंगा ।

(ग) प्र० चि० अ०—प्र० चि० अ० 75 पलग बाले किसी कारखाना अध्यकारी और वहा० की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेंगा ।

(घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और प्रावश्यक अनुशासा देते रहेंगे ।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे ।

(च) किसी सविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे ।

(4) मुपर टाइप मेह I—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य से सबधित सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा मलाहकार—प्यवमायिक और प्राविधिक —समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक मगठन की चिकित्सा स्थापना का नियक आधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रवत्त प्रशासनिक अधिकारी का वह उपयोग करेगा ।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशासाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएँ तैयार करेंगे ।

(ग) नियक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे ।

(घ) सध लोक सेवा आयोग में वह सामान्यता कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

(ङ) सामान्यत वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से सबधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के सबध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे ।

(च) वह स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त प्र० चि० अ०, व० चि० अ० और स० चि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd September 1977

No. P-1776/Admn II—Shri K. S. Nayak, formerly lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta who was earlier appointed as Programmer (the post since re-designated as Senior Programmer) in the office of the Union Public Service Commission with effect from 2-3-76 to 31-8-77 vide this office notifications of even number dated 27-3-76, 9-6-76 and 23-2-77, has been allowed to continue in the said post for a further period of six months w.e.f. 1-9-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st October 1977

No A. 32011/1/77-Admn. III—In continuation of this office notification of No A. 32014/1/77-Admn. III(1) dated 5-8-77, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No A. 32011/1/77-Admn. III—In continuation of this office notification of No A. 32014/1/77-Admn. III(1) dated 17-9-77, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 11-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No A. 32011/1/77-Admn. III—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 12-10-77 to 11-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th October 1977

No PF/P/2-G.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. D. Punhani, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, who was on deputation to the India Tourism Development Corporation, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1977.

SHRI NIVAS
Under Secy
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPTT. OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th October 1977

No A-19019/1/77-Ad. V—The President is pleased to appoint Shri J. S. Bawa IPS (Punjab—1951) as Joint Director, C.B.I. and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment New Delhi with effect from the forenoon of 27-9-77 and until further orders.

The 7th October 1977

No R-11/72-Ad. V—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. Srinivasan, P.P., C.B.I. as Senior Public Prosecutor in the C.B.I. with effect from the forenoon of 22nd September, 1977, until further orders.

The 10th October 1977

No A. 19021/3/77-Adm. 5—The President is pleased to appoint Shri Trinath Mishra an I.P.S. Officer from Uttar Pradesh Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the afternoon of the 24th September, 1977, on deputation basis, until further orders.

BHUDEV PAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 6th October 1977

No. O-II-1001/72-Estt.—On the expiry of 87 days LPR w.e.f. 6-5-77 to 31-7-77 granted to him, Shri Shreedharan Nair, Dy. S. P.G.C. (Pallipuram) CRPF retired from service in this Force w.e.f. the afternoon of 31-7-77.

2. This Dte General Notification No. O-II-1001/72-Estt dated 18-7-77 is hereby cancelled.

No O-II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen, as Junior Medical Officer in the CRPF, on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 19th September 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 7th October 1977

No O-II-1093/73-Estt.—On the expiry of 31 days LPR w.e.f. 1-10-77 to 31-10-77 granted to him, Shri Vithal More, Dy. S.P., 23rd Bn. CRPF will retire from service in this Force w.e.f. the afternoon of 31-10-77.

No. O-II-1075/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Yakash Kumar Singh Pandhir, as General Duty Officer, Grade II (Dy. S.P./Coy Comdr) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-10-1977 until further orders.

The 10th October 1977

No. O-II-41/69-Estt.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Dubey, Commandant on promotion as Deputy Inspector General of Police in the C.R.P.F. in a temporary capacity until further orders.

2. Shri Dubey took over charge of the post of DIGP, C.R.P.F., Gauhati on the afternoon of 15th September, 1977.

No. O. II-1000/72-Estt Consequent on his retirement from Govt. service, Shri Attar Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 55 Bn., C.R.P.F., on the afternoon of 30-9-1977.

The 11th October 1977

No O-II-1055/77-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Gulab Chand Ghandhi relinquished charge of the post of General Duty officer, Grade-I, Base Hospital 2 CRPF Hyderabad on the afternoon of 9th September, 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 4th October 1977

No E-29020/7/77-GA-II—Shri Satyendra Singh, a permanent Assistant of Ministry of Finance (Defence), presently on deputation to CISF w.e.f. 30-11-74 (AN) as Section Officer, is appointed as Section Officer substantively on transfer basis w.e.f. the forenoon of 23 September 1977.

I. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 7th October 1977

No. 10/13/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, an Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as an Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad-hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, at Lucknow, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7 September 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. Panchapakesan, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu and Pondicherry, at Madras, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad hoc* basis, in the same office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in that office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 9th September, 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sharma, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Delhi, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical) on *ad-hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Andaman and Nicobar Islands, at Port Blair, as Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 8 September 1977, until further orders.

No. 10/13/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Ahuja, an Investigator in the office of the Registrar General, India, and presently working as a Research Officer on *ad-hoc* basis in this office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in this office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 9 September 1977, until further orders.

2. His headquarters will be at New Delhi.

3. He relinquished charge of the post of Research Officer, held by him on *ad-hoc* basis, with effect from the same date

No. 11/1/77-Ad. I.—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad. I dated 9-6-1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. K. Majumdar, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, West Bengal in the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, for a further period from 18-10-1977 to 31-12-1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

No. 11/1/77-Ad. I.—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad. I dated 9-6-1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri B. D. Sharma, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, in the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, UT of Chandigarh, for a period of three months with effect from 1-10-1977 to 31-12-1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

R. B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 7th October 1977

F. No. BNP/E/8/M-6.—In continuation to the Notification of even number dated 7-6-77, the *ad hoc* appointment of Shri M. I. Narayana as Deputy Control Officer, in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months with effect from the forenoon of 7-9-77 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I - WEST BENGAL

Calcutta-I, the 11th October 1977

No. Admn I/1038-XV/2382.—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacitating capacity with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in the Office of the A.G. Central, Calcutta until further orders.—

S/No	With effect from
1. Dilip Kumar Mukherjee	10-10-77 A.N.
2. Champa Murmu	With effect from 10-10-77 A.N
3. Jatindra Chandra Sarkar	With effect from 10-10-77 A.N
4. Nirmalendu Chakraborty	With effect from 10-10-77 A.N.

The above mentioned officers on being released of their present charges may report to Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Office of the A.G. Central for taking charge as Accounts Officers against the existing vacancies in their office.

The inter-se-seniority of the Officers will be indicated in due course.

P. BANDYOPADHAYA
Sr Dy Accountant General
(Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 7th October 1977

No. 3388/A. Admn I/30/75-77.—The following officers of the Audit Department, Defence Services, have retired from service on the dates shown against each.—

SI No.	Name	Date of retirement
1. T. Mahadevan Sub. A.O.		31/8/77 (AN)
2. S. H. S. Thapar, Sub. A.O.		31/8/77 (AN)

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Dy. Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 3rd October 1977

No. 71019(9)/77/AN-II.—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1975, the President is pleased to appoint Shri Virrendra Diwan as probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 2-11-1976 (F.N.).

V. S. BHIR
Addl Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 10th October 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/305/55-Admn. (G)/7223.—The President is pleased to appoint Shri K. P. Narayan, permanent Controller of Imports and Exports (Class II) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta with effect from the forenoon of 26th August, 1977, until further orders.

K. V. SESADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 30th August 1977

No. A-19018/272/77-Admn.(G) —On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Tapan Kumar Bandopadhyay as Deputy Director (Chem) in the Small Industries Development Organisation, New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1977 and until further orders.

2. Consequent upon the appointment, Shri Tapan Kumar Bandopadhyay has assumed charge of the post of Deputy Director (Chem) in Small Industries Service Institute, Cuttack, Orissa on the forenoon of 1st August, 1977

The 6th September 1977

No 12/506/63-Admn (G) —Consequent upon his reversion Shri R. P. Chugh, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech) which he was holding on *ad hoc* basis, in the Office of the Small Industries Service Institute Okhla, New Delhi on the forenoon of 1st July, 1977

2 Shri R. P. Chugh assumed charge of the post of Assistant Director (Gr I) in the forenoon of 1st July, 1977 in the same Office.

The 6th October 1977

No 12(226)/61-Admn. (G) —The President is pleased to appoint Shri G D Duggal, Deputy Director (Mechanical) as Director (Gr II) (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation on an *ad hoc* basis for the period from the afternoon of 23rd May, 1977 to 31st December 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier

2. Consequent upon his appointment as Director (Gr II) (Mechanical) Shri G D Duggal, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the SISI Ludhiana with effect from the afternoon of the 23rd May, 1977 and assumed charge of the post of Director (Gr II) (Mechanical) in the same office with effect from the afternoon of the 23rd May, 1977.

V VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 7th October 1977

No A-1/1(1061) —The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R K Ghosh to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 17th September, 1977 and until further orders

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 10th October 1977

No A-15/28(631)/77 —The President is pleased to appoint Shri K S Ramamurthy an officer of the Central Information Service, as Director (Complaints & Public Relations) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi (Scale Rs 1500—1800) on a pay as for Deputy Secretary with effect from the forenoon of the 1st October 1977 until further orders

SURYA PRAKASH
Dy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th August 1977

No. A. 19011(221)/77-Estt. A —The President is pleased to appoint Shri R. B. Deshmukh to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th August, 77 until further orders.

L. C RANDHIR
Head of Office

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st October 1977

No 4611/B/40/59/C/19A —Shri Anantadeb Mukherjee, Assistant Administrative Officer (*ad-hoc*), Geological Survey of India is reverted to the post of Superintendent in the same department with effect from the forenoon of 19-8-1977 (forenoon).

V. K S VARADAN
Director Gen

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 10th October 1977

No C-5283/707 —The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs 600—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as shown against each :—

Name and Designation	Unit/Office	With effect from	Remarks
1. Shri Naresh Kumar Surveyor Sel Gd	No 58 Party (WC) Ajmer	21st Sep '77 (FN)	—
2. Shri Mohan Lal Draftsman Div. I Sel Gd.	No. 11 Drawing Office (SEC), Bhubaneswar	Ist August '77 (FN)	—

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL · ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1977

No 5/7/68-SJ —The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajnish Prasad Mishra as Programme Executive, All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with effect from 10th August 1977 and until further orders.

N K BHARDWAI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 10th October 1977

No 10/76/77-SIII —The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri A Subba Rao to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Gulbarga with effect from 26-8-1977

CORRIGENDUM

No 10/12/72-SIII —The words "91 days" appearing in the last line of the notification No. 10/12/72-SIII dated 9-8-77 may be read as "121 days".

The 11th October 1977

No 10/40/77-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. R. Bhalaria to officiate as Assistant Engineer at HPT All India Radio, Khampur w.e.f 5-9-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 11th October 1977

No 10/117/77-III.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. B. Mahato to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Muzaffarpur, w.e.f 28-6-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 6th October 1977

No 8/65/50-Est I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay has appointed Shri S. P. Raman, permanent Cameraman, Films Division, New Delhi to officiate as Newsreel Officer in the same office with effect from the forenoon of 19th September, 1977 *vice* Shri Abnash Ram, Newsreel Officer, Films Division, New Delhi retired from service.

No 6/64/56-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri M. V. Devidasan, Officiating Layout Artist in the Films Division, Bombay to officiate as In-Between-Animator on *ad-hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 10th October, 1977 *vice* Shri M. A. Narvekar, granted leave.

No 2/4/68-Est I.—Shri M. L. Sethi, Officiating Production Manager, Films Division, Bombay reverted to his substantive post of Unit Manager in the afternoon of the 17th September, 1977

M K JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 10th October 1977

No. A 12026/8/77-Est.—The DAVP hereby appoints Shri Kharati Lal Verma, a Distribution Assistant of this Directorate, to officiate as Assistant Distribution Officer in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 30th September, 1977 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th September 1977

No. A 19019/46/77-CGHS I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Dr. (Mrs) Malina Parsad to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt Health Scheme, Patna on temporary basis with effect from the forenoon of 12-8-1977.

N. S. BHATIA
Deputy Director Admin (CGHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(BRANCH HEAD OFFICE)**

Nagpur, the 14th September 1977

No P.74/15/72-DI—I. J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956, (ii) 83, dated the 29th July 1961, (iii) 3752, dated the 26th December 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Sarvashri N. Gopal, Marketing Officer, Calicut, P. Ramachandran Nan, Assistant Marketing Officer, Mangalore and V. Balarama Murthy, Marketing Officer, Bangalore to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil and Lemongrass Oil which are graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules 1954, as amended from time to time and the Export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 7th October 1977

No 4-7(2)/74-A III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group III), Shri P. S. Krishnan handed over charge of the post of Chief Chemist in this Directorate at Madras in the afternoon of 14-9-1977

V P CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, 21st September 1977

No PPED/3(262)/76-Adm/13048—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk on this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 1, 1977 to the afternoon of October 11, 1977 *vice* Shri T. T. Pishori, Assistant Personnel Officer deputed for training

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 21st September 1977

No NAPP/Adm/1(46)/77-S/10207.—Consequent upon expiry of his deputation terms, Shri Ramayan Prakash Srivastava Naib Tehsildar of the Office of Board of Revenue, Lucknow UP on deputation as Land Management Officer in this Project relinquished charge of his post on reversion to parent department in the AN of Aug 26, 1977.

G G KULKARNI
Sr Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 26th September 1977

No DPS/23/8/77-Est.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer of the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Accounts Officer-II in the same Directorate, in the scale of pay of Rs 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from 2-5-1977 to 12-8-1977 (AN)

No DPS/23/8/77-Est./29901—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, Accountant in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—880—EB—40—960 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from 2-5-77 (FN) to 12-8-77 (AN) vice Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer-II.

V. P. CHOPRA
for Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th October 1977

No HWPS/Estd./1/G-39/5405—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yashwant Purshotam Ghapure, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity, on an *ad hoc* basis, from October 3, 1977 (FN) to November 10, 1977 (AN) vice Shri R. N. Ramchandani, Assistant Personnel Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur the 7th September 1977

No TAPS/1/19(3)/76-R—In continuation of this office Notification of even No dated 18-5-77 the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar a Temp Accountant as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely *ad hoc* basis for a further period from 2-6-77 to 27-6-77.

The 13th September 1977

No TAPS/1/18(3)/77-R—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. K. P. Pillai, Personal Assistant, Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis for the period from 5-9-1977 to 11-10-1977 vice Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer deputed for Training

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 28th September 1977

No APA/Adm/2/10/76—The Chairman-cum-Chief Executive hereby appoints Shri S. Krishnan, an officiating Assistant Personnel Officer in this office as Assistant Personnel Officer in a substantive capacity with effect from August 1, 1977.

S. MURALI
Chief Adm & Accounts Officer
for Chairman-cum-Chief Executive

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th October 1977

No E(I)06106—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Dayal, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 89 days with effect from 20-9-1977 to 17-12-1977.

Shri Dayal, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

1—306GI/77

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th October 1977

No A 32013/8/77-EC—The President is pleased to appoint Shri B. S. Grewal, Assistant Director of Communication (Headquarters) Civil Aviation Department as Controller of Communication on *ad hoc* basis with effect from the 19-8-1977 (FN) and upto the 30-4-1978 or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post him at Aeronautical Communication Station ACS, Calcutta Airport, Calcutta

P. C. JAIN
Asstt Dir of Admn

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th October 1977

No 1/439/77-EST—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Niskar, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 10-5-1977 to 2-7-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy

No 1/311/77-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the following periods—

- (1) from 3-1-1977 to 6-2-1977.
- (2) from 15-7-1977 to 30-7-1977

against a short-term vacancies.

No 1/338/77-FST—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Bose, Superintendent, New Delhi Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 27-6-1977 to 12-8-1977 (both days inclusive), against a short-term, vacancy

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 10th October 1977

No 16/262/77-Est-I—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Anup Kanti De as Assistant Engineer (Mechanical) at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun with effect from the afternoon of 3rd October, 1977 until further orders.

No 16/265/77-Est-I—The President, Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun has been pleased to appoint Shri M. Padmanabha Reddy an officer of Andhra Pradesh Forest Department, as Research Officer under the DANIDA/INDIA Project on Tree Improvement, Hyderabad with effect from the forenoon of 8th September, 1977 until further orders.

No 16/268/77-Est-I—The President, Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun has been pleased to appoint Shri V. K. Gunta, Research Assistant Grade-I as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun with effect from the forenoon of 25th July, 1977 until further orders.

No 16/269/77-Est-I—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Janeshwar Dayal Jain as Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun on regular basis with effect from 25th July, 1977, until further orders

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv,

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 7th October 1977

C. No II(7)1-ET/77/11864.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance Department of Revenue, New Delhi's order No 113/77 dated 1-8-77 the following probationers on completion of training, appointed to the Indian Customs and Central Excise Service Group 'A' on basis of the results of the IAS etc. examination, have assumed charge as Superintendent Group "A" Customs Patna Collectorate as indicated below—

Name of Officers	Date of Joining
1 Shri Shishir Kumar	22-8-77
2, Shri Hrishikesh Saran	10-8-77
3, Shri Rajendra Prasad	4-8-77
4 Shri Augustine Baa	12-8-77

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 5th October 1977

No A-19012/2/77-Adm V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri I. R S Subramanyam, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-with effect from forenoon of 5-7-1977, until further orders.

Shri I. R S Subramanyam assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Drought Area Study Sub-Division-III at Hyderabad under Superintending Engineer, Drought Area Study Circle No. II, Hyderabad, with effect from 5-7-1977 (F.N.).

J. K. SAHA
Under Secy
Central Water Commission

**MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION**

Lucknow-11, the 30th September 1977

No EII/ES/CFM/Civil/O.—Shri M D Mahashabde, Officiating Assistant Design Engineer (B&S), Research Designs and Standards Organisation is confirmed as Assistant Research Engineer TRC-MG in class II in the same Organisation with effect from 8-7-1976.

G. N. BHATTACHARYA
Director General

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 30th September 1977

No 15.—Shri B P. Goel, Officiating Senior Civil Engineer, (Construction) of this Railway retired from Railway service with effect from the afternoon of 31st August, 1977.

The 7th October 1977

No. 17.—Shri Pritam Singh, workshop Electrical Engineer, Amritsar, has expired on 30-9-77

G. H. KESWANI
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

**(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Swastik Benefits Pvt Ltd (in Liquidation)

New Delhi-110001, the 11th October 1977

No Lign/3286/18396.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Swastik Benefits Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

R. K. ARORA
Asstt Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956 and of Manick Chand Bagri Limited

Calcutta, the 11th October 1977

No. 16622/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Manick Chand Bagri Limited has this day been struck off and the said company is dissolved

S. C. NATH
Asstt Registrar of Companies,
West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

NORTH EASTERN REGION

Shillong-793001, the 14th October 1977

In pursuance of provision Sub-section (1) of Section 287 of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1976-77. *

Sl No.	Name and address of the Assessee	Amount in default
1	M/s Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam	Rs. 2,47,941/-
2.	Shri Durgadutt Sharma, C/o M/s Sharma Trading Corporation Jorhat, Assam	Rs. 8,37,424/-
3	Sheikh Mohammed Nawab, Jorhat, Assam.	Rs. 1,50,626/-
4	Late Israil Khan, Panchali, Dibrugarh, Assam	Rs. 2,47,307/-
5	M/s Mangal Chand Ramkumar & Co, Dibrugarh, Assam.	
6	Tolaram Bijoykumar (HUF), Dhubri, Assam	Rs. 1,24,661/-
7	S. Pritam Singh Ratan, Gali Gharialion, House No 1507, Chowal Mandi, Amritsar.	Rs. 4,45,042/-

NOTICE

Names of assessees who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on 31-3-77 showing the amounts in respect of which they are defaulters have been published in today's issue of this newspaper

Information by the public regarding assets and investments, if any, held by the tax defaulters in their own names or in those of their dependents or benamindars may please be furnished, in confidence, to the Commissioner of Income-tax concerned.

S. N. SEN,
Commissioner of Income-tax,
North Eastern Region,
Shillong.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Readymoney Premises Co-operative Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants & members of the Society.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/1953-10/Feb 77.—Whereas I, F J FERNANDEZ, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No C S. 2/123 of Lower Parel Divn situated at Dr. Annie Besant Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 1091/1974/Bom. and registered on 1-2-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 11-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prafulla Chandra Barman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Suchitra Bhattacharya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1977

Ref. No AC-18/Acq R-IV/Cal/77-78—Whereas I, A N BHATTACHARYYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 162/D/570/1, situated at Lake Gardens, Cal-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 3 K. 32 Sft. situated at 162/D/570/1, Lake Gardens, Calcutta-45.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. N. BHATTACHARYYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Kishori Lal Syal S/o Sh Lashkari Mai Syal,
Central Mill, Near Sant Cinema,
Jullundur City.

(Transferor)

(2) M/s Thakar & Sons,
G T Road, Jullundur C/O Thakur Ravi Raj Singh,
457-New Jawahar Nagar,
Jullundur City

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed
No 518 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B S. DFHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 13-10-1977.

Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th October 1977

Ref. No AP-1719—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jaswant Singh S/O Hari Singh,
C/o New Suraj Transport Co., Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur D/O Dasouna Singh
108, L, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 742 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 13-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kishan Atora Son of Rushan Das Atora
R/o Subhash Nagar Colony, Nai ki Mandi,
Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th October 1977

Ref. No. 309/Acq/Agra/77-78/3795.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Shriram Madan and Ravi Kumar Madan, Sons of Shri Guiditta Ram Atora, Resident of Katia Neel Bazar, Nai Ki Mandi, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No 3/50 situated at Khandari Road (Raja Balwant Singh Road), Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 54,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Shakuntala Devi w/o Kharati Lal
Sh. Balraj s/o Nagarmal, Amritsar

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st October 1977

Ref No. ASR/25/77-78.—Whereas I, S. K. GOYAL under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

land, situated at Tungpui, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City-Amritsar in Feb., 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Shakuntala Devi w/o Kharati Lal
Sh. Balraj s/o Nagarmal, Amritsar (Transferor)
- (2) M/s D. K. Printing Mills through Sh. Balbir Chand Mehra,
61, Beri Gate, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 plot measuring land area of 1134 sq. yds & 609 sq. yds Tung Pai Amritsar as mentioned in the legal deed No. 1557 & 1559 of Feb 1977 of Registering Authority Amritsar City

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date, 1-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baldev Raj S/o. Sh. Gian Chand C/o Mahajan Textiles I/side Sultanwind Gate, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar and Ashwani Kumar, S/o Chaman Lal Kt Dule Amritsar
(Transferor)

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th October 1977

Ref No ASR/26/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Kathi No 343, situated at Shivala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at City Amritsar in Feb., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

12—306GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kathi No 343, Shivala Road, Amritsar as mentioned in the regd. deed no 1491 of Feb 1977 of Registering Authority City Amritsar

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-10-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Chunilal S/o. Sh. Ram Narain, The Mall, Tonga Colony, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jwala Dass, Krishan Lal, Subhas Chander S/o Shri Ram Dass, Cooper Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 10th October 1977

Ref No ASR/27/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land, situated at Cooper Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at City Amritsar in Feb 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yards cooper road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1494 and 1495 of Feb. 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-10-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Asa Singh S/o Sh Jiwan Singh r/o Vill. Mehdipur, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri Pakhar Singh, Darshan Singh, Sukh Chain Singh & Resham Singh S/o Sh Kartar Singh s/o Sh Hukam Singh, r/o Vill Mehdipur Tehsil Patti Distt. Amritsar

(Transferees)

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1977

Ref. No ASR/28/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. land, situated at Vill Mehdipur Tehsil Patti, Distt Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti, in Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

K M

Agricultural land measuring 109 - 7 at vill. Mehdipur tehsil Patti, Distt. Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 626/1 of Feb. 1977 of Registering Authority, Patti, Distt. Amritsar

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 11-10-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, 11th October 1977

Ref No ASR/29/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 55 Min, situated at R. B. Parkash Chand Road, Near Police Line, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar on Feb. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Jatinder Aggarwal, Sh. Satish Kumar, Shri Pawan Kumar Sh. Narinder Kumar, s/o Sh Kundan Lal & Miss Rita d/o Sh. Kundan Lal, Smt Agyawati wd/o Sh. Kundan Lal R/o 220 Pawan Mahal New 11 Road Chambur Bombay-71.

(Transferee)

(2) Smt. Raj Gambhir w/o Sh. Mohinder Singh, 7- Amartola Street Calcutta-1

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Plot No. 55 min measuring 528 sq. yds. situated at R. B. Parkash Chand Road near Police lines, Amritsar as mentioned in the regd deed No 1426 of Feb 1977 of Registering Authority, Amritsar City

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 11-10-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Gulzar Hassain & Shri Yusuf Ali
Sons of Shri H. M. Hassain,
Radha Villas Kothi, Kota.

(Transferor)

(2) Shrimati Jehra Bai W/o Shri Fida Hassain
Radha Villas Kothi, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th September 1977

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/372.—Whereas, I, CHUNI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 9 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kota on 19th February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building built on a part of Plot No 9 at New Motor Market (Show Room, south wing) Registered by Sub-Registrar, Kota vide his Entry No 117 dated 19th February, 1977.

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 29th September, 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Gulzar Hassain & Shri Yusuf Ali
Sons of Shri H. M. Hassain,
Radha Villas Kothi, Kota

(Transferor)

(2) Salma Bai W/o Shri H. M. Hatum Ali Bohra,
Radha Vills, Kota

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 29th September 1977

Ref No. Raj/IAC(Acq)/373.— Whereas, I, CHUNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9 situated at Kota
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 19th February, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building built on a part of Plot No. 9 at New Motor Market (Show Room, in between south north wing) Registered by Sub-Registrar, Kota vide his Entry No 117 dated 19th February, 1977

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 29th September, 1977
Seal

FORM ITNS

(1) Shrimati Ratan Prabha Jain W/o Shri Motichand Jain, Shastri Nagar, 19/4/A, Jodhpur
(Transferor)

(2) Shri Hastimal Kalal S/o Hazaimal Kalal, Arvind S/o Hastimal Kalal (Minor), Rajeshkumar (Minor) S/o Hastimal Kalal, Inside Sojati Gate, Jodhpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1977

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/374.—Whereas, I, CHUNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No House No. 320 situated at Plot No. 119, Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jodhpur, on 21st Jan 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 320 situated on Plot No 119 known as "Bal Bhavan" near Subhas Chowk, Ratnada, Jodhpur
Date 11-10-1977

CHUNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date 11-10-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, 5th Oct., 1977

Ref No Acq 23-I-1335(603)/5-2/77-78—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No. Survey No 46, Plot No 10 & 11 situated at Holayana Marg, Gathada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gathada, Distt. Bhavnagar on 8-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shriji Exhibitors, 335, Shalimar House, Gran' Road, Bombay-7, through partners :—
(1) Shri Usmanbhai Abdabkar, Botadna Zanpe, Gathada.
- (2) Shri Bilkishen Abdulrazak, through power of attorney holder Shri Abdulrazak Haji Vall Muhammad, Hanjar Villa, Club back Rd, Bombay.
- (3) Shri Abdul Razakbhui Abubakarbhui, Davesh manzil, 123, Kabeekar Street, Bombay-3.
- (4) Shri Yakubhai Haji Gani, Hanjar Villa, Club Back Rd, Bombay

(Transferor)

- (2) M/s Shree Exhibitors, through Partners—
(1) Smt. Bhagirathiben Manubhai Pandya,
(2) Shri Anantray Manubhai Pandya, C/o Shree-chitra, Ajenda Bhuvan, Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 873 sq. yds bearing S No 46, Plot Nos. 10 & 11, situated at Holyana Marg, Gathada Village, Gathada Taluka and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No 122/77, dated 8-2-1977 by registering officer, Botad

S C PARIKH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-10-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Shah Chimanlal Keshavlji, M/s Nalimkant & Co.,
1/1/A, Old Hanuman Cross Lane, Bombay-2
(Transferor)

(2) Dr Kantilal Devsibhuji Raja, (Children Specialist)
Medical Practitioner, Opposite Station, VERVAL
(Transferee)

(3) As per S No. 2
(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th October 1977

Ref No Acq 23-I-1336(604)/11-6/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Plot No. 7 situated at Veraval to Chowad Road, Just opposite
S T Bus Stand Veraval
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
officer
at Veraval on 1-2-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

12—306G/I77

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1078 5 sq. gaj bearing
Plot No. 7 situated on Veraval-Chowad Road, Veraval, and
as fully described in sale deed registered vide Regn No 301,
dated 1-2-1977 by Registering Officer, Veraval.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th October 1977

Ref. No 74-A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Three Storeyed house situated at Ram Nagar Kesara Line Distt Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3-2-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Mohan Himwal (Transferor)	(2) Shri Ashok Kumar (Transferee)
(3) Shri Madan Mohan (Person in occupation of the property)	

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Three storeyed building situated at Ram Nagar Kesara Line Distt. Nainital.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saradindu Basu

(Transferor)

(2) Janta Sehkari Grah Norman Samiti Ltd.
(Transferee)(3) Shri S. Basu & his family
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1977

Ref No. 80-B/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot including Bunglow situated at 3, A P. Sen Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-2-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot including Bunglow measuring 55,700 sq. ft. situated at 3 A P Sen Road, Lucknow

A S BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 10-10-1977

Seal .

FORM ITNS

1 Sri M. Anandam, 2. Sri I. S. Sharma, both resident
of Khaleelwadi, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1977

Ref. No RAC.No 106/77-78 —Whereas, I,
K. S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No 5-7-665, Plot No 9 situated at Yellammagutta Nizamabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Nizamabad on 15-2-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No 9 bearing M. No. 5-7-665 situated at Yellam-
magutta, Nizambad, total area 354.89 Sq. Yds. registered
vide Document No 417/77 in the office of the Joint Sub-
Registrar Nizamabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date: 11-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1 Sri Umakaran Tejkaran,
H No. 8-2-547 at Banjara Hills,
Hyderabad.

2 Sri Tej Karan S/o late Sri Dharam Karan,
H No. 8-2-547, Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri B Ramendra Reddy, (Managing Director),
H No. 6-3-1219/44, Umanagar, Begumpet,
Hyderabad
(Transeree)

(3) Sri Bindal,
Partner in M/s Indian Roadways, Balanagar,
Hyderabad
(Person in occupation of the property)

(4) The Divisional Manager,
LIC of India, Secretariat Road,
Hyderabad.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No 107/77-78.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,
being the competent authority under section
269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
6-3-1219/44 situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Khairtabad on 21-2-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957,
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter

THE SCHEDULE

H No 6-3-1219/44 on plot No 44 admeasuring 456 Sq.
Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document
No. 442/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad,
Hyderabad, bounded on the

North M No 6-3-1219/43
South Raja Jitendar Piasad Rao,
East Land of Nawab Habib Jung,
West Public Road

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No RAC No 108/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').
 have reason to believe that the immovable property
 having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
 S. F. No 836/A situated at Rampur, Kareemnagar,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Kareemnagar on 15-2-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Qurcesha Begum,
 W/o late Sayed Badruddin,
 2. Smt. Kulsummunisa Begum,
 W/o Mohd Abdul Jabbar,
 3. Sri Sayed Budruddin,
 S/o Syed Khadar Mohuddin,
 All three residing at Kareemnagar

(Transferee)

- (2) 1 Sri Billa Raji Reddy,
 S/o Singa Reddy,
 2. Sri Chada Peddi Reddy,
 S/o Laxma Reddy,
 3 Sri Bunda Ramreddy,
 S/o Krishna Reddy,
 All three residing at Kareemnagar
- 4. Sri Kariveda Linga Reddy,
 S/o Malla Reddy,
 Kareemnagar
- 5 Sri Chada Krishnareddy,
 S/o Laxma Reddy,
 Kareemnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land in S.F. No. 836/A situated at Rampur, Kareemnagar
 total area of land 5.31 Acres registered vide Document No
 562/77 in the Office of the Sub-Registrar Kareemnagar

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sri E. Laxman Rao,
S/o E. Narasimhaloo,
R/o Shamshabad,
Hyderabad Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No. RAC. No. 109/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

7-2-860/Plot No 14 situated at General Market Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Smt. Sheela
W/o Naraindas Lalwani,
1st Floor, Raja Bhawan, Pan Bazar,
Secunderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi bearing M. No 7-2-860 in Plot No 14 General Bazar, Secunderabad, admeasuring 43 Sq. Yds. registered vide Document No. 201/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Construction Co
at 111 S D. Road, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No RAC No 110/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 137 and 138 situated at S D Road, Secunderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sri Krishna Bhoopal,
H No 3-6-416/3 at Himayatnagar,
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 137 and 138 (50%) situated at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad registered vide Document No 222/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC. No. 111/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 137 and 138 (50%) situated at 111 S.D Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 18-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 —306GI/77

(1) Swastic Construction Co.,
 at 111 S. D Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rama Bhoopal,
 "Madhupala H. No 3-6-416/3 at Himayatnagar,
 Hyderabad-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing M. No. 137 and 138 (50%) situated at 111 S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No 232/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K. S VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastic Construction Co,
at 111 S D Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No 112/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No
334 office situated at 111 SD Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Secunderabad on 1-3-1977
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(2) Sri M Hanumanthchary,
H No 17-6-211 at Outside Dabupura,
Hyderabad

(Transferee)

(3) Minerals Director Development Division,
Dept. of Atomic Energy,
at 111 S D Road,
Secunderabad

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 334 on the 11Ird floor of Chandralok, at 111 SD Road, Secunderabad, registered vide Document No. 268/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-10-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC. No. 113/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 329/330, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri M. Sada Nanda Chary Represented by Smt. M. Krishnaveni, H. No 17-6-211 at Outside Dabeespura, Hyderabad

(Transferee)

(2) Director, Atomic Minerals Development Division, Dept. of Atomic Energy, at 111, S D Road, Secunderabad.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 329 and 330 (50%) in Chandra Lok complex IIIrd floor at 111, SD Road, Secunderabad, registered vide Document No 280/77 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No. RAC No. 114/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 329 & 330 (50%), situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Swastik Construction Co., 111, S. D. Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Sri M. Krishnaveni, W/o M. Bhadriraj Chary, H. No 17-6-211, Outside Dabirpura, Hyderabad.
(Transferee)
- (3) Director, Atomic Mineral Division, Dept of Atomic Energy, at 111, S. D. Road, Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises No 329 and 330 (50%) in Chandralok Complex at 111, S. D. Road, Secunderabad registered vide Doc. No. 281/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-10-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111, S D Road,
Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sri M. Ramachary, H No 17-6-211, Outside Dabeerpura, Hyderabad

(Transferee)

(3) Director, Atomic Minerals Division, Deptt. of
Atomic Energy, at 111, S. D. Road, Secunderabad.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref No RAC No. 115/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 311 & 312 (50%), situated at S.D Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferee; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises Nos 331 and 332 (50%) in the Chandralok premises on 111, 3rd floor at S. D Road, Secunderabad, vide Document No 283/77, registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1977

Ref. No. RAC. No 116/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-1115/2 & 3, situated at Kachiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri Vashi M Samthani, 2 Sri N. M Samthani, 3 Sri R. M Samthani, all partners in Shopper Plaza Station Road, Nampally, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri Sahib S/o Sirumal Shahani, H. No. 3-4-362 Lingampally, Hyderabad
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Three storied Building with one room in the top floor and land measuring 377.49. Sq. Mts M. No. 2-4-1115 (Old) and New No. 2-4-1115/2 and 3 at Kachiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 272/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, theretoic, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111, S D Road, Secunderabad
(Transferor)

(2) Smt Leela S. Sanklacha, 18-A, Maneck, 11-Napean Road, Bombay-6
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No RAC. No 117/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 115 & 116 situated at S. D. Road, Secunderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises Nos 115 and 116 on the 1st floor of Chandilok complex situated at 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide document No 233/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., at 111, S. D. Road, Secunderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No RAC No 118/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 208, 209 & 217, situated at S D Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-2-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt M Rama Devi, H. No 6-3-1186 at Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No 208, 209, and 217 in 11nd floor in Chandralok Complex, at 111, S D Road, Secunderabad, registered vide Document No 252/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date : 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A Gangabai W/o Sri B Raman at 3/4 East Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref No. RAC No. 119/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 8/89 and 8/90 situated at Alwal, Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 28-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—306GI/77

(2) Shrimati Chodey Vijayalakshmi, W/o. Sri C. Bala Krishna, H No. 11-50/8, Mes Colony, Secunderabad-15

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied Building Nos. 8/89 and 8/90 standing on piece of land measuring 230 Sq Yds. in S. No. 182, plot No. 10 at Alwal Grampanchayat, Secunderabad, registered vide Doc. No. 385/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad West.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Gangabai, W/o Sri B. Raman H No. 3/4 at
East Marcdpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th October 1977

Ref. No RAC No 120/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 8/87, 8/88 situated at Alwal, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Vannemreddi Ramamohan Rao, 2 Sri V S, N. Durga Prasad, guardian of his real father of V Ramamohan Rao, both residing at Plot No 1, Nanuram Colony, Tumulgiri, Secunderabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises No 8/87 and 8/88 with Double storied building standing on piece of land measuring 240 Sq Yds in S No 182, plot No 10 at Alwal Grampanchayat, Secunderabad, registered vide Document No 384/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 13-10-1977.

Seal :

FORM II(NS)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref. No 31/FEB/77.—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 673/2 situated at Vadakkumalai Village, Madurai distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodi (Doc No 141/77) on 8-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (1) 1 Shri Manickavachagam,
2 Shri Venkateswaran,
3 Shri Baskaran,
(minors by father and guardian Sl. No. 1)
4 Smt Paunthai
5 Smt Akilandam,
6 Smt Saraswathi,
7 Smt Gomathi Ammal,
8 Smt Damayanthi,
9. Shri Thuunavukkarasu (alias) Nattuayan,
10 Smt Krishnaveni,
11 Smt Paramesvari
(By Power agent Shri Manickavachagam
No 113, Nettu Theru, Dindigul)

(Transferor)

- (2) Shri Vadimalai Rajapandian (minor)
by father & guardian Shri Kamaraja Pandian,
Ward No 2, Bodinayakkanur, Madurai district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 acres and 67 cents in survey No 673/2, Vadakkumalai village, Bodinayakkanur, Madurai District (with coffee plantations and other trees).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 12 October 1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri N. M. M. Abdul Kader,
 2. Shri N. M. M. Rahamatulla
 3. Shri N. M. M. Bahlu Huq
 by Power Agent Shri N. M. M. Abdul Kader,
 South Street, Keelakkara.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

(2) Thaika Ahamed Nubilu (minor)
 by mother & guardian
 Smt. S. M. Syed Ameena Bivi,
 West Street, Keelakkara,
 Ramanathapuram district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No 32/FEB/77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No 217 situated at Keelakkara, Ramanathapuram district (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keelakkara (Doc. No 139/77) on 14-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 40 cents in survey No 217, Ervadi Road, Keelakkara, Ramanathapuram district.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Madras-6

Date 12-10-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri P. T. Subramania Mudaliar,
S/o Thanthkachala Mudaliar,
Mullipattu village, Arni taluk.

(Transferor)

(2) Smt Neelambal,
W/o Ponnusamy Mudaliar,
No 27, Aladi Pillayar Koil Street,
Kanchipuram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref No 38/FEB/77—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Chettithangal village, North Arcot District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doosi (Doc No 133/77) on 17-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 63 cents as shown below in Chettithangal village, North Arcot District :

Survey No	Acre	Cent
87/5	0	70
87/6	0	06
85/8	0	15
98/4	0	29
95/4	0	45
104/2	0	20
105/3B	0	13
92/15	0	03
73/1	0	40
75/1	0	36
37/4	0	17
38/7	0	17
44	0	28
49/4	0	28
56/4	0	23
57/13	0	03
20/4	0	56
23/6	0	21
24/6	0	11
89/2	0	01
68/4	0	07
89/4	0	02
92/4	0	07
118/2	0	21
122/1A2/3A	0	23
99/5	0	13
13/2	0	45
111	0	26

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(1) 1. Smt. Kalpagambal,
No 108, Breasts Road, Salem,
2. Dr. R. Subramaniam,
C/o. Erskine Hospital, Madurai,
3. Smt. Lalitha,
593, Sector 3, R. K. Puram, New Delhi,
4. Smt. R. Lakshmi and
5. Smt. R. Vimala,
(Sl Nos 2 to 5 by power of attorney agent
Sl. No. 1)

(Transferee)

(2) Shri Sengoda Goundar,
S/o. Athiappa Goundar (alias) Pattinathar,
Ward No. 1 Basipuram.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th October 1977

Ref. No. 39/FEB/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 146/1, 4 & 2 situated at Rasipuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc No 230 77) on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 61 cents in survey Nos. 146/1 (3.41 acres with one well), 146/4 (1.16 acres) and 146/2 (0.04 acres with one thatched hut) at Rasipuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 12-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th October 1977

Ref No 16/FEB/77—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 67-A & 67-B situated at Dindigul Road, Palani town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Doc. No. 71/1977) on February 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shri Palanisamy Chettiar,
Arasan Chettipatty, Ayyaloor Village
2 Shri Venkatachalam Chettiar,
Sippoy Edal Theru, Palakkattai Trichy,
3 Shri Karuppusamy Chettiar,
Pazhayakadai Theru, Karur,
4. Smt Rajeswari Ammal,
Kolla Vadugar Veedhi, Melarani Street Trichy,
(Transferor)

(2) Shri V. Ramalingam,
No 67-A & 67-B, Dindigul Road,
Palani town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 111 cents of land with building thereon at door Nos 67-A and 67-B (Survey No 60/1B & 60/1A), Dindigul Road, Palani (with all machineries and other fittings).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S Ramasamy,
S/o. Sundaram Pillai,
Chatram Street, Dindigul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1977

Ref. No. 17/FEB/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5 situated Chatram Street, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc No. 22/1977) on February, 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,683 sft with building thereon at door No. 5 (T.S. No. 205) Chatram Street, Dindigul

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref No Acq F No 448—Whereas, I,
N K NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
TS No 5, Block No 1 situated at Tenali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tenali on 5-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
16—306GI/77

(1) 1 Pillalamarri Subrahmanyam,
S/o Sundara Ramaiah,
G.P.A. Holder Sri Pillalamarri Venkata
Gopalakrishna Murty,
2 P Satyanarayana Sastry,
S/o Sundara Ramaiah,
Kothapeta, Tenali

(Transferor)

(2) Dr Patibandla Dakshina Murty,
S/o. Kutumbarao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No
164/77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during
the Fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref. No. Acq F No 449—Whereas, I.N.K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No 5, Block No 1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tenali on 14-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Pillalamarri Sundara Sivudu,
S/o Sundara Ramaiah,

2 Smt P. Swarajyalakshmi,
W/o Nageswar Rao,

3 Kum P. Vasanta, P. Neeraja,
P. Ananta,
Minor by guardian mother Swarajya Lakshmi,
Kothapeta, Tenali

(Transferor)

(2) Dr. Patibandla Dakshinamurty,
S/o Kutumbrao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 269/77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the fortnight ended on 15-2-1977

N K NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 3rd October 1977

Ref No Acq I No 450—Whereas, I, N K NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

TS No 5, Block No 1 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 2-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pillalamarri Venkata Gopal Krishna Murty,
S/o Sundara Ramaiah,
Kothapeta, Tenali

(Transferor)

(2) Dr Patibandla Dakshina Murty,
S/o Kutumbraoao,
Kothapeta, Tenali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 171 77 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the Fortnight ended on 15-2-1977.

N K NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref No Acq F No. 451—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 5/84 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

(1) Shri Govindaraju Venkata Srinivas,
S/o Venkata Chalapathi Rao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

(2) M/s. Paper Engineering Services P. Ltd.,
Machilipatnam Road, Industrial Estate,
Vijayawada-520007

(Transferee)

(4) Sri G R Sastri,
Uppal, Hyderabad-39,
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 381/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-3-1977

N K NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 3rd October 1977

Re: No Aq F No 452 —Whereas, I, N. K.
NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5784 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 1-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Govindaraju Venkata Muralikrishna,
S/o Venkata Chalapathi Rao,
GPA Sri G. V. Ramarao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services P Ltd,
Machilipatnam Road, Industrial Estate,
Vijayawada-7

(Transferee)

(3) Sri G. R. Sastry,
Uppal Hyderabad

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 132/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-2-1977

N K NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date 3-10-1977.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd October 1977

Ref No Acq F No 453 —Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5/84 situated at Machilipatnam Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 1-2-1977
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Govindaraju Venkata Rama Rao,
S/o Venkata Chalapathi Rao,
B-12, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-39

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services P Ltd
Machilipatnam Road Industrial Estate,
Vijayawada-520007

(Transferee)

(4) Sri G. R. Sastry,
Uppal, Hyderabad

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 133/77 Registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 3-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ambati Jagannadham,
S/o. Totaiah, 7-18-12, Vullithota Street,
Rajahmundry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K A K Dakshina Murty,
46-7-7, Danavaipeta,
Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1977

Ref No Acq F No 454—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 24/193 & 46-7-7 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 3-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 282/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Mynampati Laxmamma,
W/o Ramaswamy,
325A, Mint Street, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Mamidi Narayana Rao,
S/o Pamidi Lingam Ratnam Oil Co.,
Gopalreddy Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE KAKINADA

(3) 1 Branch Manager Indian Bank,
2 Branch Manager, Carona Sahu Stores,
3 Branch Manager, Swastik Rubber Products Ltd
Gandhinagar, Vijayawada
(Person in occupation of the property)

Kakinada, the 31st October 1977

Ref. No. Acq. F No 455—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No 26-29-77 situated at Gandhinagar, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 3-2-1977
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or inv
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
142-77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada
during the fortnight ended on 15-2-1977

N K NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kakinada

Date 3-10-1977

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely—

FORM ITNS

(1) Shrimati Hamirunnisa Begum Saheba
alias Sardar Begum Saheba,
W/o Syed Jaharul Hug Saheb,
Seshayya Metta, Rajahmundry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gorrela Sanyasi Rao,
S/o Chima Appala Swamy,
Innespetta, Rajahmundry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No Acq. F No 456.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing T. S No 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 574/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
17—306GI/77

Date . 5-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No. Acq. F. No 457.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. T. S. No. 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Hamirunnisa Begum Saheba alias Sardar Begum Saheba, W/o Syed Jaharul Huq Saheb, Seshayya Metta, Rajahmundry

(Transferor)

(2) Shrimati Marada Venkata Satya Mohini Krishna Kumari, W/o Tirupatirao, Innospeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 575/77 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 5-10-1977

Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th October 1977

Ref. No Acq. F. No. 458.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. T. S No 126/2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Hamirunnisa Begum Saheba alias Sadar Begum Saheba, W/o Syed Jaharul Huq Saheb, Seshayya Metta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shri Chalumaru Venkateswara Rao, S/o. Apparao, Kothapeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 576/77 registered before the Sub-Registrar, Aajahmundry during the fortnight ended on 28-2-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-10-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satyanarayan Agarwala

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9**

Bhubaneswar-9, the 15th October 1977

Ref No 54/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. situated at Brahmani Tarang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panposh on 21-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Chhabil Chand Bansal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The land is situated at Mouza-Brahmani tarang, P.S Raghunathpali, Dist. Sundergarh under the jurisdiction of Sub-Registrar, Panposh and registered by sale document No 63 dated 21-1-1977.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 15-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
NAGPUR**

Nagpur, the 10th October 1977

Ref No IAC/ACQ/47/77-78—Whereas I, H C SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 585 Acres of land out of Khasra No 102, Mouza Dhaba, Tah & Dist Nagpur situated at Dhaba Tah & Dist Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 3-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1 Shri Nathu Alias D Shedame, Dhaba Tah & Dist Nagpur.
- 2 Shri Rambhau Nathaji Shedame, Dhaba Tah & Dist Nagpur.
- 3 Smt Gangabai Wasudeo Chikankar, Whaba Tah & Dist, Nagpur
- 5 Lalabai Ramaji More, Unadi Tah Saonet, Dist. Nagpur
- 6 Smt Banabai S Rao, Nagpur.

(Transferor)

- 7 Prakash Institute of India, Chandan Bazar, Through trustee, Shri Devidas Ramkishna Borkar, Wadi Tah & Dist, Nagpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

585 Acres of land out of Khasra No. 102, of Mouza Dhaba, Tah & Dist. Nagpur

H C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date 10-10-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th October 1977

Ref. No. IAC/ACQ/46/77-78.—Whereas I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N.I.T. lease Hold Plot No. 51-A, Gokulpeth, Nagpur situated at Gokulpeth, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gajanan Construction Co.,
Gokulpeth, Nagpur.
Through Partners

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Bhaurao Bakane,
C/o Fentsess County General Hospital
R/o James Town, Tenn, 38566 USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.I.T. Lease hold Plot No. 51-A situated in Civil Station Extension scheme, Gokulpeth, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Anjali Ray Chaudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr Smt. Kalpana Krishna Murty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 18th October 1977

Ref. No. 53/77-78/IAC(A/R)/BBSR—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. situated at Sahadeb Khunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Balasore on 17-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at mouza—Sahadeb Khunta, Sunhat, Dist. Balasore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Balasore and registered by sale document No 159 dt 17-1-1977.

A N MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date . 18-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref No. TR/197-A/Acq /Meerut/77-78/4090.—Whereas, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sekh Mohd Muttaja
s/o Sekh Gulam Savri,
Sekh Mohd Taha s/o Sekh Mohd. Yasin,
I al Kutta, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) M/s Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o Tara Chand,
Bramhapuri, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 3 Bishwa Pukhta near Prabhat Nagar, Opp Saket, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 104,340/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur the 19th October 1977

Ref. No TR/199-A/Acq/Meerut/77-78/4091—Whereas I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 1-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

18 - 306GI/77

(1) S/Shri Sekh Mohibuddin
s/o Sekh Gyasuddin,
Ajmaluddin s/o Jamiluddin Sami
Lal Kuli, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) M/s Navyug Sahkari Gram Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o
Brahampuri, Meerut

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the mode signed —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 2 Bishwa 19 Bishwani Pukhla near Prabhatnagar, Opp Saket, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs 1,04,115/-.

R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref No 33-A/Acq./Q/Kan/77-78/4092 —Whereas, I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishambhar Dayal Gupta
s/o Sri Mool Chand Gupta,
r/o 51/30 Naughara, Kanpur

(Transferor)

(2) S/Shri Hulal, Ramashanker, Motilal, Shesh Pal and Hazari Lal s/o Sri Surajdin, r/o 103/142 Colonelganj, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land Plot No 6, Block T, Gutaiya Scheme No. 7, Harshnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Sekh Gulam Mohd Savri
s/o Sekh Mohd Wazir,
Sekh Mohd Yasin s/o Sekh Mohd Wazir,
Sekh Zamji Uddin Savri s/o
Bhaiya Sekh Muzaffar,
Lal Kurti, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) M/S Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti
Ltd., through President Sri Gautam Sharma s/o
Sri Tara Chand,
Brahmapuri, Meerut.

(Transfeee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref. No TR/194-A/Acq/Meerut/77-78/4093.—Whereas,
I, R P BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. As per Schedule
situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 24-1-1977
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the prop-
erty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instru-
ment or transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha
3 Bishwa 4 Bishwansi Pukhta near Prabhatnagar Opposite
Saket, Meerut transferred for an apparent consideration of
Rs 1,05,247 50 P

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date . 19-10-1977
Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
COMBINED EXAMINATION (1978) FOR RECRUITMENT
TO MEDICAL POSTS IN THE RAILWAYS AND
ORDNANCE FACTORIES HEALTH SERVICE

NOTICE

New Delhi, the 29th October 1977

No. F.14/3/77-E.I(B).—A combined examination will be held by the Union Public Service Commission on 14th March, 1978 for recruitment to the following Group 'A' Medical Posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service.

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—*Approx. 75 vacancies.*
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance Factories Health Service—*approx 43 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

*N.B.—*Candidates should specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference. No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of posts for which they desired to be considered, would be entertained.

2. Centres of Examination.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Madras, Nagpur, Patiala, Patna, Shillong and Trivandrum.

3. Conditions of Eligibility.—

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) *Age Limit.*—Age below 30 years as on 1st January, 1978.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years for the examination to be held in 1978.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

(c) *Educational Qualification*

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination on or before 19th December, 1977.

NOTE 1.—Candidate who have yet to complete the compulsory rotating internship are educationally eligible for admission to the examination but on selection they will be appointed only after they have completed the compulsory rotating internship.

NOTE 2.—Candidates whose results at the written and practical parts of the final M.B.B.S. examination have not been declared and candidates who have yet to appear at these examinations are *NOT* eligible for admission to this examination.

4. Fee to be paid with the application.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

*N.B.—*Fee once paid will not be refunded nor held in reserve for any other examination or selection.

5. How to Apply.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Examination (1978) for recruitment to medical posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House,

New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

NOTE.—Request for supply of application forms and full particulars of the examination by post must reach the office of the Commission before 12th December 1977. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission up to 19th December, 1977.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

6. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 19th December 1977.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 2nd January, 1978.

7. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the

attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidates must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (*i.e.* University or other examining body) to show that he has passed the M.B.B.S. Examination on or before 19th December, 1977 *i.e.* the closing date for receipt of applications in the Commission's office.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm, approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming age concession.—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under para 3(b) (ii) or 3(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 3(b)(iv) or 3(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia claiming age concession under para 3(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 3(b)(vii) or 3(b)(viii) should

produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 3(b)(ix) or 3(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 3(b)(xi) or 3(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 7 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.

8. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particular that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a

document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) If he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 7 ABOVE ATTESTED BY GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

13. Scheme of Examination.—The examination will comprise (1) a written examination in one paper of three hours duration containing objective questions covering the subjects (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics; (ii) General Medicine including Paediatrics; (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning; and (iv) Obstetrics and Gynaecology; and (2) a Personality Test carrying equal marks of candidates who qualify in the written examination.

NOTE.—Details regarding the nature of the examination sample questions and specimen answer sheet are given in the "Candidates' Information Manual" at Appendix II.

14. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed

standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the general knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates' intellectual curiosity, critical powers of assimilations, balance of judgment, and alertness of mind, ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

15. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into corresponding with them regarding the result.

17. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Railways (Railway Board) on a working day following the date of Personality Test.

20. No person :

- (a) who has entered into or, contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION,
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

22. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 21 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

23. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

R. S. GOELA
Dy. Secy.

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribe Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari*.....and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*.....of..... District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place.....State/Union Territory*.

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional D. Collector/Deputy Commissioner/Commissioner / Deputy Collector/diary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
- (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX II

CANDIDATE'S INFORMATION MANUAL

This manual is intended to give you as much information as we can, about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

The examination will be of three hours' duration. The standard will be such that a candidate with MBBS degree from an Indian university will be able to answer most of the questions. The subjects covered will be :

- (i) Surgery including E.N.T. Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;
- (ii) General Medicine including Paediatrics;
- (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning; and
- (iv) Obstetrics and Gynaecology.

NATURE OF THE TEST

The examination will be of the "Objective" or "Multiple Choice Answer" type. There will be many questions printed in a test-booklet. Each question will have 4 or 5 possible answer printed right after it. Your task will be to select THE ONE BEST ANSWER to each question. For each question there will be one, AND ONLY ONE ANSWER.

METHOD OF ANSWERING

The question will have serial Nos. 1, 2, 3 etc. The answer choices for each question will be marked '1', '2', '3', '4' etc. A separate answer sheet will be given to indicate your answers (see specimen answer sheet at the end of this manual). On the answer sheet the serial numbers of the questions will be given and at the right of each number there will be space provided for your answer. First decide which is the correct or best answer, out of those given, for each question. Then indicate your answer by writing the number of the answer you have selected in the space provided for the answer (see example on the specimen answer sheet).

Please note that YOU ARE TO MARK ONLY ONE ANSWER for each question. If you mark more than one answer for any question you will not be given any credit for

it even if one of your answers is correct. If you make a mistake and wish to change your answer, score out the error completely and clearly write the correct answer.

SOME IMPORTANT RULES

- (i) You are required to enter the Examination Hall 20 minutes before the prescribed time for the commencement of the examination and get seated immediately. If you do not report in time, you are likely to miss some of the general instructions to be announced in the Examination Hall. Since the test booklet and the answer sheet will be given to you before the actual time prescribed for the commencement of the examination to enable you to study the instructions and to enter certain particulars on the answer sheet, you are likely to lose the time allotted for answering questions in case you do not report in time as mentioned above.
- (ii) Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- (iii) No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- (iv) After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the invigilator. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. Candidates who violate this directive are liable to be penalised.
- (v) Write clearly your Roll Nos., Centre of the test and code number and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- (vi) The test may be divided into a number of parts and separate instructions may be there regarding each part. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet and the answer sheet. Since evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous, you will get no credit for that item.

Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

- (vii) Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a pencil and a pen containing blue or black ink. You will not be permitted to take any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. Space for rough work is provided on the answer sheet itself. Answer should be marked in ink and not in pencil. Red ink should not be used on the answer sheet.

SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. DO NOT WASTE TIME ON QUESTIONS WHICH ARE TOO DIFFICULT FOR YOU. GO ON TO THE OTHER QUESTIONS AND COME BACK TO THE DIFFICULT ONES LATER.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. First try to answer these questions about which you are sure. If you know nothing about a question, it is better to leave it blank. You will get better marks by omitting such question than by blind guessing. However, where you know enough to make an intelligent guess, you may do so.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant subjects to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

SAMPLE QUESTIONS

1 A 35-year old man wakes up after midnight with severe agonising upper abdominal pain. He has a previous history of upper abdominal discomfort and pain at periodic intervals. The most likely clinical diagnosis is :
 (1) Acute Pancreatitis
 (2) Acute Cholecystitis
 (3) Renal Colic
 (4) Perforated Duodenal ulcer.
 (5) Perforated Typhoid ulcer.

2 A young man has been brought to the Casualty Department unconscious with a history of being knocked down by a fast moving car. The most immediate procedure would be
 (1) Multiple Burn holes
 (2) X-ray of skull
 (3) Ensuring adequate airway
 (4) Electro-encephalogram
 (5) General clinical examination.

3 In a patient clinically suspected to have a perforated peptic ulcer, the single most useful investigation is
 (1) Percussion (for obliteration of liver dullness)
 (2) Diagnostic tap
 (3) Serum amylase estimation
 (4) Electrocardiogram—to rule out myocardial infarction
 (5) Plain X-ray abdomen—erect posture—for evidence of gas under the diaphragm.

4 A patient with fracture base of skull has bleeding from the ear. What procedure should be avoided ?
 (1) Gently swabbing out the clotted blood
 (2) Irrigation of the ear
 (3) Instillation of local antibiotics
 (4) Plugging the ear with sterile cotton
 (5) Giving systemic antibiotics

5 A young man with a history of a severe blunt injury on the lower left side of chest suddenly shows signs of poor vital signs—6 hours after injury. The most likely clinical diagnosis is
 (1) Fracture rib with haemorrhage
 (2) Spontaneous pneumothorax
 (3) Perforation of stomach
 (4) Ruptured spleen
 (5) Severe muscle spasm

6 A 19-year old married girl with some menstrual irregularities faints in the toilet in the morning. Her pulse is 110/min, BP 90/60. What is the most likely clinical diagnosis ?
 (1) Acute appendicitis
 (2) Acute salpingitis
 (3) Twisted ovarian cyst
 (4) Ruptured ectopic gestation
 (5) Hysteria

7 The commonest cause of blindness in India is
 (1) Trachoma
 (2) Cataract
 (3) Vitamin deficiency
 (4) Injuries to the eye
 (5) Leprosy.

8 A 45 year old woman has undergone surgery for carcinoma of breast (stage II) 2 years previously. Now she comes with a history of a slip and fall and evidence of a fracture in the region of the neck of femur. The most likely cause of fracture is
 (1) Trauma of the fall
 (2) Generalised decalcification
 (3) Secondary malignant deposit in the bone
 (4) Parathyroid adenoma
 (5) Disturbance of calcium metabolism

9 Mark the condition in which FEV₁/FVC ratio is likely to be reduced below 80% of the predicted value
 (1) progressive systemic sclerosis
 (2) Obesity
 (3) diffuse interstitial pneumonia.
 (4) hydrothorax
 (5) bronchial asthma

10 A 15 year old boy comes with complaints of intermittent mild fever, loss of appetite and weight and progressive swellings in the axilla and the neck for last 6 months. On examination he has firm freely mobile 1-4 cms diameter non-tender lymphnodes. His hemoglobin is 5 gm% ml. TLC 5,600/c mm³, polymorphs 67% Lymphocytes 33% a negative Montoux test and a normal X-ray chest. Of the following which is the most likely diagnosis ?—
 (1) tubercular lymphadenitis.
 (2) lymphatic leukemia
 (3) hodgkin's lymphoma.
 (4) glandular fever.
 (5) sarcoidosis.

11 Carcinoma cervix is more frequent in :
 (1) prolapse of uterus
 (2) virgins
 (3) multiparous women
 (4) hypertension
 (5) none of the above

12 A satisfactory method of treatment of adenomyosis of the uterus is .
 (1) radiation.
 (2) hormones
 (3) curettage
 (4) hysterectomy
 (5) Enucleation of adenomyoma

13 The diagnosis of lead poisoning can be made by :
 (1) Demonstration of basophilic stippling.
 (2) Straining of teeth
 (3) Increased lead in urine.
 (4) All of above
 (5) None of above

14 Perinatal mortality rate covers all deaths upto .
 (1) 24 hours of age
 (2) 7 days of life
 (3) 28 days of life.
 (4) 1 year of life

15 The number of eligible couples in a village of 1000 are likely to be between
 (1) 50—100
 (2) 125—175
 (3) 200—300
 (4) 300—500

(NOTE.—These questions are given with a view to familiarise the candidates with the type of objective questions. The questions do not indicate the coverage of topics or relative weightage given to each area. Questions of other types may also appear in the actual examination).

APPENDIX—III

Brief particulars relating to the Services, to which recruitment is being made through this examination are given below

1 Assistant Divisional Medical Officer on the Railways—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.

6—10 Stages—Rs 200/- P.M.

11—15 Stages—Rs 250/- P.M.

16th stage onwards Rs 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders with the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

(k) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.O.s. are also liable to transfer to any Railway.

(l) Prospects of promotion including Pay Scales and allowances attached to the higher grades—

A D M O s with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing a medical qualification included in the first or second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956 (Holders of educational qualifications included in Part II of the 3rd Schedule should fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956) are eligible for promotion to the post of Divisional Medical Officer (Senior Scale) in the Scale of Rs. 1100—1800 (RS), plus restricted non-practising allowance as per rules/orders in force from time to time.

(m) Duties and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officer.

(i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any and will prepare returns and indentures connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

NOTE (1). When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

B. Post of Assistant Medical Officer in the Ordnance Factories Health Service (OFHS) under the Ministry of Defence—

(a) The post is temporary in Group A but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1 — 5 stages	Rs. 150/- per month
6 — 10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospital or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

(i) **SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs 1100—50—1600 plus NPA—

1 — 3 stages	Rs 250/- per month
4 — 5 stages	Rs 300/- per month
6 — 7 stages	Rs 350/- per month
8 — 9 stages	Rs 350/- per month
10 — 11 stages	Rs 450/- per month

(ii) **SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in 3 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

(iii) **SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services on completion of 3 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Service with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

(g) **Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS**

(i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments daily and as required.

- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) DGO GR I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM or Fys on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of the PMO's, SMO's and AMOs.

SPECIMEN ANSWER SHEET

Roll No. . .	Centre . . .	CODE NUMBER of test booklet . . .	SERIAL NUMBER of test booklet . . .
--------------	--------------	--------------------------------------	--

DIRECTIONS :

(1) All answers must be marked in the answer sheet. The serial number of the items (questions) in the TEST BOOKLET are printed inside. You have to write against each item, the serial number of the correct or best response (answer) you have chosen for that item. For example, if alternative "3" is the correct response to item number "16", you should mark as shown.

(2) You are required to mark one and ONLY ONE response (answer) for each item (question). If you mark more than one response for any item, you will get no credit even if one of your responses is correct.

15	
16	3
17	

(3) If you make a mistake and wish to correct it, be sure to make the change very clearly. If the correction you have made in the response to any item is not clear or is ambiguous, you will not get any credit for that item.

15	
16	3.
17	

(4) Use ink or ball point pen only for answering. Do not use pencil. Do not use red ink.

(Example for Correction)

Item (Question) No.	Response (Answer)	Item (Question) No.	Response (Answer)	Item (Question) No.	Response (Answer)	Item (Question) No.	Response (Answer)
1		11		21		31	
2		12		22		32	
3		13		23		33	
4		14		24		34	
5		15		25		35	
6		16		26		36	
7		17		27		37	
8		18		28		38	
9		19		29		39	
10		20		30		40	

SPACE FOR ROUGH WORK.